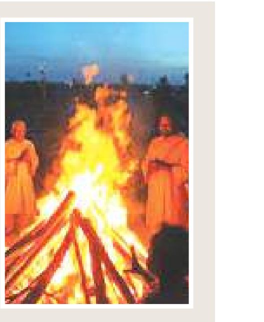

The Public Hub

पेज 7 | अध्यात्म

वर्ष 1 अंक : 5 ₹ 4.00 पृष्ठ-8

www.thepublichub.in

जयपुर
बुधवार 4 मार्च, 2026

पीएचईडी में बड़ी सर्जरी

मनीष बेनीवाल के एपीओ होने के बाद 6 अफसरों को अतिरिक्त जिम्मा, देवराज सोलंकी संभालेंगे 'शहरी' कमान

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (PHED) में रविवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। मुख्य अभियंता (शहरी) मनीष बेनीवाल को एपीओ (APO) किए जाने के बाद रिक्त हुए महत्वपूर्ण पदों को भरने के लिए विभाग ने देर शाम आदेश जारी किए।

संयुक्त शासन सचिव (प्रथम) प्रवीण कुमार लेखरा द्वारा जारी इन आदेशों के तहत 6 वरिष्ठ अभियंताओं को उनके मूल पद के साथ-साथ उच्च पदों का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

विभाग ने जयपुर मुख्यालय के सबसे महत्वपूर्ण पदों पर अनुभवी चेहरों को तैनात किया है।

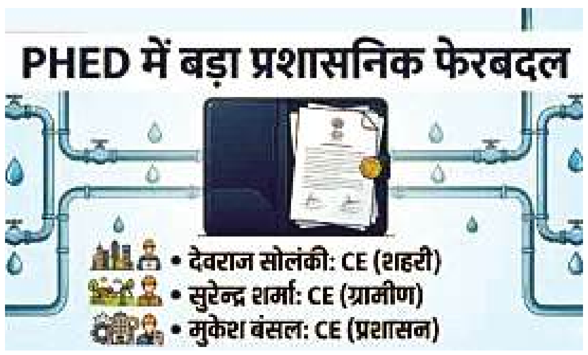

देवराज सोलंकी: जोधपुर में मुख्य अभियंता (परियोजना) के पद पर कार्यरत सोलंकी अब जयपुर मुख्यालय में मुख्य अभियंता (शहरी एवं एनआरडब्ल्यू) का अतिरिक्त कार्यभार देखेंगे। यह पद विभाग की रणनीतिक योजनाओं के लिए बेहद अहम माना जाता है।

मुकेश कुमार बंसल : इन्हें मुख्य अभियंता (प्रशासन), जयपुर का भारी-भरकम जिम्मा दिया गया है। बंसल वर्तमान में अतिरिक्त मुख्य अभियंता (राजपत्रित एवं विभागीय जांच) की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।रीजनल लेवल पर भी बदलाव: सुधरेगी पेयजल व्यवस्थागर्मियों के सीजन से ठीक पहले प्रशासनिक कसावट लाने के उद्देश्य से क्षेत्रीय स्तर पर भी तैनातियां की गई हैं।

अधिकारी का नाम	मूल पद	नया अतिरिक्त कार्यभार
सुरेन्द्र शर्मा	अति. मुख्य अभियंता (परियोजना), भरतपुर	मुख्य अभियंता (ग्रामीण), जयपुर
शैतान सिंह	अतिरिक्त मुख्य अभियंता, उदयपुर	मुख्य अभियंता (परियोजना), उदयपुर
अजय सिंह राठौड़	अति. मुख्य अभियंता (क्षेत्र-1), जयपुर	अति. मुख्य अभियंता (क्षेत्र-2), जयपुर
राममूर्ति चौधरी	अधीक्षण अभियंता (परियोजना), चूरूअति.	मुख्य अभियंता (परियोजना), चूरू

गर्मी की चुनौतियों से पहले 'एक्शन' में सरकार

विभाग द्वारा जारी आदेश (क्रमांक प.1 (6) पीएचई/2026-04505) के अनुसार, ये सभी नियुक्तियां आगामी आदेशों तक प्रभावी रहेंगी।

माना जा रहा है कि मनीष बेनीवाल पर हुई कार्रवाई के बाद मुख्यालय के कामकाज में आए ठहराव को दूर करने और आगामी गर्मी के मौसम में प्रदेशभर की पेयजल आपूर्ति को सुचारू रखने के लिए यह 'क्विक डिसीजन' लिया गया है।

प्रशासनिक संदेश

इन नियुक्तियों के जरिए सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यालय से लेकर क्षेत्रीय स्तर तक अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर दी गई है ताकि आमजन को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े।

दो मोर्चों पर युद्ध

संकट में वैश्विक अर्थव्यवस्था और भारत की चुनौतियां

आज दुनिया एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है जहाँ शांति की उम्मीदें धुंधली पड़ती जा रही हैं। एक ओर दो साल से अधिक समय से जारी यूक्रेन-रूस युद्ध ने यूरोप की स्थिरता को हिला कर रख दिया है, तो दूसरी ओर मध्य पूर्व (इजरायल-हमास संघर्ष और लाल सागर का तनाव) में बढ़ती आग ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को संकट में डाल दिया है। यह केवल दो क्षेत्रीय युद्ध नहीं हैं, बल्कि ये वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए 'परफेक्ट स्टॉर्म' (भयंकर संकट) साबित हो रहे हैं।

महंगाई और मंदी का डर : यूक्रेन युद्ध ने दुनिया को यह अहसास कराया कि 'वैश्विक गांव' की अवधारणा कितनी नाजुक है। रूस और यूक्रेन दुनिया के 'अन्न भंडार' कहे जाते हैं। इस युद्ध के कारण गेहूँ, मक्का और सूरजमुखी तेल की कीमतों में आए उछाल ने अफ्रीका से लेकर एशिया तक खाद्य असुरक्षा पैदा कर दी है।

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव ने इस आग में घी डालने का काम किया है। लाल सागर और स्वेज नहर, जहाँ से दुनिया का 12% व्यापार गुजरता है, अब असुरक्षित हो चुके हैं। हूतियों के हमलों के कारण जहाजों को लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है, जिससे माल ढुलाई की लागत 150% से 200% तक बढ़ गई है। इसका सीधा परिणाम वैश्विक महंगाई के रूप में सामने आ रहा है।

वैश्विक परिदृश्य और नुकसान: युद्ध ने दुनिया को फिर से दो गुटों में बाँट दिया है। रक्षा बजटों में भारी बढ़ोतरी हो रही है। जो पैसा शिक्षा, स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर खर्च होना चाहिए था, वह अब मिसाइलों और टैंकों पर खर्च हो रहा है। यूरोप ने रूसी गैस से किनारा तो कर लिया, लेकिन वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत अब भी महंगे हैं। 'ग्लोबलाइजेशन' अब 'रीजनलाइजेशन' (क्षेत्रीयकरण) में बदल रहा है, जिससे उत्पादन लागत बढ़ रही है।

भारत के लिए बढ़ती मुश्किलें और नुकसान : भारत भले ही इन युद्धों से भौगोलिक रूप से दूर हो, लेकिन आर्थिक रूप से अछूता नहीं है। भारत के लिए चुनौतियां बहुआयामी हैं भारत अपनी जरूरत का 80% से अधिक तेल आयात करता है। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने से यदि तेल की कीमतें .100 प्रति बैरल के पार जाती हैं, तो भारत का राजकोषीय घाटा बढ़ेगा और घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ेंगे, जिससे हर चीज महंगी हो जाएगी।

खाद्य तेल और उर्वरक: भारत यूक्रेन से सूरजमुखी तेल और रूस से भारी मात्रा में उर्वरक आयात करता है। आपूर्ति बाधित होने से कृषि लागत बढ़ सकती है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका होगा।

निर्यात पर असर: भारत का यूरोप और अमेरिका को होने वाला निर्यात महंगा हो रहा है क्योंकि लाल सागर संकट के कारण शिपिंग लागत बढ़ गई है। इससे भारतीय निर्यातकों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा कम हो रही है। भारत के लिए रूस के साथ पुराने रिश्ते और अमेरिका के साथ बढ़ती रणनीतिक साझेदारी के बीच संतुलन बनाना एक कठिन कूटनीतिक चुनौती है।

निष्कर्ष : आत्मनिर्भरता ही एकमात्र मार्ग वर्तमान वैश्विक स्थिति यह चेतावनी है कि अब किसी एक देश या मार्ग पर निर्भर रहना जोखिम भरा है। भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए अक्षय ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ना होगा और महत्वपूर्ण कलपुर्जों के लिए 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को और मजबूती देनी होगी। विश्व को यह समझना होगा कि युद्ध की कीमत केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि दुनिया के हर उस गरीब की थाली में चुकानी पड़ती है जिसकी रोटी महंगाई की भेंट चढ़ जाती है। समय आ गया है कि वैश्विक शक्तियां संवाद का मार्ग अपनाएं, अन्यथा आर्थिक मंदी का काला साया पूरी मानवता को अपनी चपेट में ले लेगा। सशक्तिकरण अर्थात् महिलाओं के मौलिक अधिकारों का संरक्षण जब कभी भी महिलाओं की चर्चा हो या महिला दिवस आने वाला हो तब महिला सशक्तिकरण की बात ना हो ऐसा संभव नहीं है।

– राखी सिंह, कार्यकारी संपादक

अजमेर में गरजे पीएम मोदी

'कांग्रेस अब आईएनसी नहीं, मुस्लिमलीगी माओवादी कांग्रेस एमएमसी बन गई है'

अजमेर (विशेष संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अजमेर की धरती से कांग्रेस पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला। ?16,686 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए पीएम ने कहा कि कांग्रेस अब 'इंडियन नेशनल कांग्रेस' नहीं रही, बल्कि वह 'मुस्लिमलीगी माओवादी कांग्रेस' (स्स्ब्र्) बन चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी लगातार हार का बदला कांग्रेस देश को बदनाम करके और सेनाओं को कमजोर करके ले रही है। हाल ही में दिल्ली में हुए ग्लोबल एआई सम्मेलन का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब पूरी दुनिया भारत की प्रशंसा कर रही थी, तब कांग्रेस ने विदेशी मेहमानों के सामने देश को बदनाम करने का 'ड्रामा' किया।

'कांग्रेस हताशा और निराशा में डूबी है। जो लोग भारत की समृद्धि और हमारे लोकतंत्र से नफरत करते हैं, कांग्रेस आज उनके सुर में सुर मिला रही है। यह वही दल है जिसने दशकों तक सैनिकों को वर्दी और हथियारों के लिए तरसाया और ओआरओपी से वंचित रखा।'

इजराइल की संसद में गूंजा राजस्थान का शौर्य : पीएम ने राजस्थान को 'भक्ति और शक्ति' की धरा बताते हुए अपने हालिया इजराइल दौरे का अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि किस तरह इजराइल आज भी राजस्थान के सपूत मेजर दलपत सिंह के शौर्य को नमन करता है।

2 साल का हिसाब

राजस्थान की भजनलाल सरकार के दो साल के कार्यकाल पर संतोष जताते हुए पीएम ने कहा कि अब प्रदेश से भ्रष्टाचार और पेपर लीक की खबरें नहीं, बल्कि नियुक्तियों की खबरें आती हैं।

बड़ा बदलाव: मंच से ही 21,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

कड़ा प्रहार: पीएम ने कहा कि पिछली सरकार में युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ होता था, लेकिन अब दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो रही है।

नारी शक्ति को मिला 'सुरक्षा कवच' : अजमेर से ही प्रधानमंत्री ने देशव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान का आगाज किया। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ यह अभियान देश की बेटियों और माताओं को सशक्त करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

अजमेर से 'विकसित राजस्थान' का शंखनाद

पीएम मोदी ने दी 16,686 करोड़ की सौगात, देश के पहले एचपीवी टीकाकरण अभियान का आगाज

अजमेर (विशेष संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अजमेर की कायड़ विश्राम स्थली से राजस्थान के विकास को नई ऊंचाई देते हुए 16,686 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने न केवल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए बटन दबाया, बल्कि नारी शक्ति की सुरक्षा के लिए देश के पहले 'राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान' की ऐतिहासिक शुरुआत भी की। 21 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र, 'मेजर दलपत सिंह' के शौर्य को किया नमन : प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के 21,863 युवाओं को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र वितरित किए। मंच पर केकड़ी की अंकिता कुमारी मीणा और रूपनगढ़ के मुकेश प्रजापत को खुद पीएम ने ज्वाइनिंग लेटर सौंपकर उनके उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

शौर्य को सलाम: पीएम ने राजस्थान को भक्ति और शक्ति की धरा बताते हुए हाइफा युद्ध के नायक मेजर दलपत सिंह के बलिदान को याद किया और इजराइल संसद में उनके गौरवगान का उल्लेख किया।

नारी शक्ति को 'सुरक्षा कवच': एचपीवी टीकाकरण की शुरुआत

सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध जंग का ऐलान करते हुए पीएम ने कहा कि वीरांगनाओं की इस धरती से शुरू हो रहा यह अभियान देशभर की महिलाओं के स्वास्थ्य को नई मजबूती देगा। 'जब मां स्वस्थ रहती है, तभी परिवार और देश मजबूत रहता है।

हमने शौचालय, सैनिटरी नैपकिन, मातृ वंदना और उज्ज्वला जैसी योजनाओं से नारी का जीवन सुगम बनाया है।' — नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

राजस्थान बनेगा 'सोलर हब' : पीएम सूर्यघर योजना का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थान अब सूरज की तपिश से समृद्धि कमाएगा।

सब्सिडी का लाभ: घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए 78,000 रुपए की सहायता दी जा रही है।

'फाइलों से निकलकर धरातल पर आई विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए पीएम ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने पेपर लीक, रक्षा सौदों और सिंचाई परियोजनाओं को केवल अटकाने का काम किया।

अजमेर रैली की 5 बड़ी बातें

बड़ा निवेश: 16,686 रुपए करोड़ की सड़क, बिजली, पानी और शिक्षा परियोजनाएं।

रोजगार : 21,863 युवाओं को एक साथ मिले सरकारी नियुक्ति पत्र।

स्वास्थ्य: सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 'राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण' का शुभारंभ।

कनेक्टिविटी: बेहतर सड़क और परिवहन से पर्यटन और स्थानीय कारोबार को मिलेगा बढ़ावा।

संकल्प: 'विकसित राजस्थान' के जरिए 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य।'आज जिन परियोजनाओं की नींव रखी गई है, वे राजस्थान के विकास की मजबूत दीवार बनेंगी। कनेक्टिविटी सुधरेगी तो निवेश आएगा और निवेश से राजस्थान के युवाओं के लिए रोजगार के द्वार खुलेंगे।

अजमेर में गूंजा 'बहन वसुंधरा' का नाम | पीएम मोदी के एक संबोधन से शांत हुईं अटकलें

'कायड़ विश्राम स्थली' वायरल हुआ 'केमिस्ट्री' का वीडियो

अजमेर (विशेष संवाददाता)। अजमेर की 'कायड़ विश्राम स्थली' शनिवार को न केवल विकास की सौगातों की गवाह बनी, बल्कि राजस्थान की राजनीति के सबसे चर्चित 'पावर इक्वेशन' का केंद्र भी रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जैसे ही अपने संबोधन की शुरुआत में 'बहन वसुंधरा जी' शब्द का उच्चारण किया, पूरे पांडाल में उमड़ी भीड़ ने तालियों और नारों की ऐसी गड़गड़ाहट पैदा की कि आसमान गूंज उठा। यह क्षण इस पूरी रैली का सबसे बड़ा 'टॉकिंग पॉइंट' बन गया।

मंच पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी सहित भाजपा के तमाम दिग्गज मौजूद थे। प्रोटोकॉल के तहत प्रधानमंत्री ने सभी का नाम लिया, लेकिन जो उत्साह जनता में वसुंधरा राजे के नाम पर दिखा, उसने एक बार फिर साबित कर दिया कि सत्ता के समीकरण भले ही बदल गए हों,

लेकिन राजे का 'जन-आधार' आज भी अडिग है।

राजे का मंच से कोई औपचारिक संबोधन नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री के संबोधन और उनके बीच दिखी आत्मीयता ने उन्हें पूरी सभा में 'लाइमलाइट' में रखा।

'भाई-बहन' के संबोधन के सियासी मायने : प्रधानमंत्री द्वारा 'बहन' कहकर संबोधित किए जाने पर वसुंधरा राजे के चेहरे पर आई मुस्कान और दोनों नेताओं के बीच की सौम्य बॉन्डिंग अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। राजनीतिक गलियारों में इसके कई मायने निकाले जा रहे हैं:

'ऑल इज वेल' का संदेश:

इस आत्मीयता ने उन तमाम अटकलों पर विराम लगा दिया है जो अक्सर मोदी और राजे के रिश्तों के बीच 'खटास' का दावा करती रही हैं।

कद बनाम पद

समर्थकों के बीच यह संदेश गया कि भले ही राजे इस समय किसी संवैधानिक पद पर न हों, लेकिन पार्टी और प्रधानमंत्री की नजर में उनका 'कद' कम नहीं हुआ है।

कार्यकर्ताओं में जोश: *आगामी राजनीतिक चुनौतियों और उपचुनावों से पहले संगठन में एकजुटता दिखाने के लिहाज से यह बेहद महत्वपूर्ण संकेत है।*

मिडिल ईस्ट संकट के बीच पीएम ने छेड़ा 'हाइफा' का राग, इज़राइल के साथ 'रक्त के रिश्तों' को दी नई धार

अजमेर (विशेष संवाददाता)। जब पूरी दुनिया की नजरें ईरान और इजराइल के बीच जारी भीषण सैन्य टकराव और अमेरिकी सर्जिकल स्ट्राइक पर टिकी हैं, ठीक उसी समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान की रेतीली धरा से एक बड़ा कूटनीतिक संदेश दिया है। शनिवार को अजमेर की जनसभा में पीएम मोदी ने 'हाइफा विजय' और राजस्थान के सपूत मेजर दलपत सिंह के शौर्य का जिक्र कर यह साफ कर दिया कि भारत और इज़राइल के रिश्ते केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि साझा शहादत और इतिहास की बुनियाद पर टिके हैं।

युद्ध के मुहाने पर खड़ी दुनिया और मोदी का संबोधन : प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है जब मिडिल ईस्ट में तनाव चरम पर है। इज़राइल और अमेरिका द्वारा ईरान के सैन्य ठिकानों पर किए गए हमलों और अयातुल्ला खामेनेई से जुड़ी खबरों के बीच पीएम का इज़राइल यात्रा से लौटकर सीधे राजस्थान आना और वहां की संसद (नेसेट) में भारतीय वीरों के सम्मान का जिक्र करना बेहद अहम माना जा रहा है।

सोशल मीडिया पर ट्रेंड हुआ 'रुतबा'

इंटरनेट पर जैसे ही यह वीडियो वायरल हुआ, #VasundharaRaje और #ModiInAjmer ट्रेंड करने लगा। समर्थकों ने 'पद बदलते हैं, कद नहीं' जैसे कैप्शन के साथ वीडियो को जमकर साझा किया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के स्वागत भाषणों के बीच वसुंधरा राजे की उपस्थिति ने कार्यकर्ताओं को एक नया उत्साह दिया है।

विशेष विश्लेषण

राजनीति में कभी-कभी 'खामोशी' शब्दों से ज्यादा शोर करती है। वसुंधरा राजे का मंच से भाषण न देना और फिर भी प्रधानमंत्री द्वारा उन्हें विशेष सम्मान मिलना यह दर्शाता है कि राजस्थान की राजनीति में उन्हें नजरअंदाज करना नामुमकिन है। प्रधानमंत्री ने 'बहन' कहकर न केवल राजे के सम्मान को पुख्ता किया, बल्कि राजस्थान भाजपा की आंतरिक गुटबाजी की खबरों को भी सिरे से खारिज कर दिया।

खाटूश्यामजी फाल्गुन लक्खी मेला

125 किलो चांदी के रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले बाबा श्याम

एकादशी पर उमड़ा आस्था का महाकुंभ, 350 साल पुरानी परंपरा के तहत भक्तों को दिए दर्शन, चंग की धुन और गुलाल से गूंजी खाटू नगरी

सीकर/खाटूश्यामजी (विशेष संवाददाता)। सीकर के विश्वप्रसिद्ध खाटूश्यामजी धाम में फाल्गुनी एकादशी के पावन अवसर पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। करीब 350 वर्षों से चली आ रही प्राचीन परंपरा का निर्वहन करते हुए बाबा श्याम अपने मंदिर से भव्य रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण के लिए निकले और भक्तों को दर्शन दिए।

इस बार मेले में आकर्षण का मुख्य केंद्र 125 किलो चांदी से निर्मित बाबा का विशेष रथ रहा। बीकानेर के नोखा में करीब डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से बने इस भव्य रथ को खींचने और अपने आराध्य की एक झलक पाने के लिए लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भव्य रथयात्रा सुबह 11:15 बजे मंदिर प्रांगण से शुरू हुई। अपने प्रिय 'नीले घोड़े' पर विराजमान बाबा श्याम का रथ जैसे ही कबूतर चौक और हॉस्पिटल चौराहा जैसे प्रमुख मार्गों से गुजरा, पूरी खाटू नगरी 'जय श्री श्याम' के जयकारों से गूंज उठी।

भक्तों ने चंग की धुन पर झूमते हुए रथ पर फूलों और गुलाल की जमकर वर्षा की। यात्रा के दौरान रथ से भक्तों की ओर चॉकलेट और फल उछाले गए, जिन्हें प्रसाद स्वरूप लूटने और पाने के लिए श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया।

दर्शनार्थियों के लिए जरूरी सूचना और आगामी कार्यक्रम

21 फरवरी से शुरू हुए इस फाल्गुनी लक्खी मेले का विधिवत समापन 28 फरवरी को हुआ। एकादशी पर श्रद्धालुओं की भारी आवक को देखते हुए प्रशासन और श्री श्याम मंदिर कमेटी ने सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए थे। इसके साथ ही मंदिर कमेटी ने आगामी दिनों के लिए दर्शन व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण सूचना जारी की है।

4-5 मार्च (विशेष सेवा-पूजा): 4 मार्च की रात 10 बजे से बाबा के दर्शन रोक दिए जाएंगे। इसके बाद 5 मार्च को विशेष सेवा-पूजा और तिलक के बाद शाम 5 बजे से दर्शन व्यवस्था पुनः सुचारू कर दी जाएगी।

राजधानी जयपुर में एसीबी की बड़ी कार्रवाई

पुश्तैनी जमीन के बंटवारे की एवज में 3.80 लाख की घूस लेते गिरदावर रंगे हाथों गिरफ्तार

5 लाख की थी डिमांड, खुद के लिए 1 लाख और एसडीएम के नाम पर मांगे थे 3 लाख रुपए

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजधानी जयपुर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने शुक्रवार को सरकारी महकमे में एक बड़ी 'सर्जिकल स्ट्राइक' को अंजाम दिया है। एसीबी की जयपुर नगर-द्वितीय इकाई ने जयपुर-पश्चिम वृत्त के भू-अभिलेख निरीक्षक (गिरदावर) अनिल कुमार को 3 लाख 80 हज़ार रुपये की भारी-भरकम रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस ट्रैप के बाद से प्रशासनिक हलकों में खासी खलबली मची हुई है, क्योंकि इस घूसकांड में उपखण्ड अधिकारी (एसडीएम स्तर) का नाम भी सामने आया है।

सौदा 4 लाख में हुआ तय, 20 हजार लिए एडवांस : एसीबी के महानिदेशक (डीजी) गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एक परिवादी ने ब्यूरो को शिकायत दी थी कि उसकी पुश्तैनी जमीन के तकासमा (बंटवारा और सीमांकन) की फाइल पास करने के बदले गिरदावर अनिल कुमार 5 लाख रुपए की रिश्वत मांग रहा है। वह बार-बार काम अटकाने की धमकी देकर दबाव बना रहा था। एसीबी ने शिकायत का सत्यापन किया, तो दोनों पक्षों के बीच 4 लाख रुपए में सौदा तय हुआ। इसी सत्यापन के दौरान आरोपी ने 20,000 रुपए एडवांस भी ले लिए थे।

सत्यापन के दौरान एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ। आरोपी गिरदावर ने परिवादी को रिश्वत का गणित समझाते हुए कहा कि इस 4 लाख रुपये में से 1 लाख रुपए वह खुद रखेगा, जबकि बाकी के 3 लाख रुपए उपखण्ड अधिकारी जयपुर-

प्रथम को देने होंगे। इसी शर्त पर फाइल आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया गया था।

शिकायत पुख्ता होने के बाद उप महानिरीक्षक (डीआईजी) आनन्द शर्मा के सुपरविजन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शुक्रवार (27 फरवरी) को जब परिवादी रिश्वत की बकाया राशि 3 लाख 80 हज़ार रुपये लेकर आरोपी के पास पहुंचा, तो इंस्पेक्टर छोटीलाल और उनकी टीम ने घेराबंदी कर ली। जैसे ही गिरदावर अनिल कुमार ने रिश्वत के नोट पकड़े, टीम ने उसे दबोच लिया। एडीजी स्मिता श्रीवास्तव और आईजी एस. परिमाला के निर्देशन में अब इस मामले की गहनता से जांच की जा रही है। एसीबी अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस पूरे खेल में वास्तव में स्डरू जयपुर-प्रथम की कोई संलिप्तता है या गिरदावर केवल दबाव बनाने के लिए उनके नाम का इस्तेमाल कर रहा था। फिलहाल आरोपी के ठिकानों पर तलाशी अभियान जारी है और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

राजस्थान सीसाइड स्टार्टअप समिट-2026 : आईटी मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने किया 'इनोवेशन पवेलियन' का उद्घाटन

युवाओं को दिया 'कभी हार न मानने' का मंत्र, विकसित भारत के संकल्प और स्टार्टअप्स के सामाजिक सरोकार पर दिया जोर

जयपुर (विशेष संवाददाता) राजधानी जयपुर में शुक्रवार शाम 'राजस्थान सीसाइड स्टार्टअप समिट-2026' का शानदार आगाज हुआ। प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कार्यक्रम में कैम्पफायर टॉर्च जलाकर 'इनोवेशन पवेलियन' का विधिवत उद्घाटन किया। इस खास मौके पर उन्होंने पवेलियन में लगाई गई विभिन्न स्टॉल्स का बारीकी से अवलोकन किया और वहां मौजूद युवा उद्यमियों की हौसलाअफजाई की।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कर्नल राठौड़ ने कहा कि यह भव्य समिट स्टार्टअप प्रतिभाओं को नया सीखने और खुद को आगे बढ़ाने का एक बेहतरीन मंच प्रदान कर रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि राजस्थान आज आईटी के क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। अपने ओलिंपिक सफर का प्रेरक

उदाहरण साझा करते हुए उन्होंने युवाओं को लक्ष्य के प्रति डटे रहने, कभी हार न मानने और जीत के लिए निरंतर प्रयास करने का सफलता सूत्र दिया। मंत्री ने इस आयोजन के लिए 'ओपन इनोवेशन लोटस फाउंडेशन' और आर्मेनिया सरकार का विशेष रूप से आभार जताया।

नेतृत्व एवं प्रभाव (नीति एवं नवाचार के माध्यम से भविष्य को आकार देना): इस सत्र का संचालन मॉडरेटर श्री युवराज भारद्वाज ने किया। चर्चा में इंटेक्स टेक्नोलॉजीज के सीएमडी नरेंद्र बंसल, जेएचएस स्वेंडगार्ड के एमडी निखिल नंदा, महाराष्ट्र के मुख्य सलाहकार कौस्तुभ धवसे, इंडसइंड बैंक के कंट्री हेड रवि हरजाई और एंटरप्राइज आर्मेनिया के एरिक बार्सेघयान शामिल हुए। विशेषज्ञों ने निष्कर्ष निकाला कि व्यवसाय में लाभ कमाना जरूरी है, लेकिन हर स्टार्टअप को अपने 'सामाजिक प्रभाव' का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए।

आईटी ही है राष्ट्र के विकास की राह: आर्मेनियाई राजदूत

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद आर्मेनिया गणराज्य के राजदूत वहागन आफ्यान ने भी सत्र को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि आर्मेनिया एक ऐसा देश है जो राष्ट्र के असली विकास की राह सूचना प्रौद्योगिकी को ही मानता है। आकार में छोटा होने के बावजूद आर्मेनिया आज एआई (ुढ्ढ), इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, फिनटेक और डीपटेक जैसे एडवांस क्षेत्रों में काफी आगे निकल चुका है। मंच से ओपन इनोवेशन लोटस फाउंडेशन के सह-संस्थापक युवराज भारद्वाज और सीसाइड स्टार्टअप समिट के सह-संस्थापक हाकोब हाकोबयान ने भी अपने अनुभव और विचार साझा किए।

राजस्थान हाईकोर्ट का बड़ा कदम

राजुवास के कुलपति की कथित 'अवैध' नियुक्ति पर राज्यपाल को नोटिस

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ वेटेनरी एंड एनिमल साइंसेज (राजुवास) के वाइस चांसलर (वीसी) की नियुक्ति में हुई कथित अनियमितताओं को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाया है। जस्टिस आनंद शर्मा की अदालत ने डॉ. आर. के. बाघेरवाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए कुलाधिपति (राज्यपाल) हरिभाऊ बागडे को उनके सचिव के माध्यम से नोटिस जारी किया है। अदालत ने इस मामले में सभी संबंधित पक्षों से तीन सप्ताह के भीतर जवाब तलब किया है।

याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता दिनेश यादव ने अदालत को बताया कि वीसी की नियुक्ति प्रक्रिया में यूजीसी के नियमों का खुला उल्लंघन किया गया है। याचिका में मुख्य रूप से दो बड़े बिंदुओं पर आपत्ति जताई गई है।

सर्च कमेटी के चेयरमैन की नियुक्ति अवैध: यूजीसी के नियमों के अनुसार, वीसी चयन के लिए गठित सर्च कमेटी का चेयरमैन उसी यूनिवर्सिटी से संबद्ध नहीं होना चाहिए। लेकिन, राजुवास ने प्रोफेसर त्रिभुवन शर्मा

को कमेटी का चेयरमैन बना दिया, जो पूर्व में इसी विश्वविद्यालय के 'एनिमल न्यूट्रिशन' विभाग के अध्यक्ष रह चुके हैं।

वीसी के पास नहीं है 10 साल का 'टीचिंग अनुभव'

याचिका में नवनियुक्त वीसी डॉ. सुमंत व्यास की योग्यताओं को सीधे तौर पर चुनौती दी गई है। यह दावा किया गया है कि डॉ. व्यास के पास वीसी पद के लिए अनिवार्य 10 साल का शैक्षणिक अनुभव नहीं है। हालांकि वे राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र में वैज्ञानिक के रूप में कार्य कर चुके हैं और काजरी जोधपुर के निदेशक भी रहे हैं, लेकिन टीचिंग अनुभव के अभाव में वे इस पद के लिए पूरी तरह अयोग्य हैं।

राजस्थान के सरकारी स्कूलों में 10 साल बाद 'ऐतिहासिक' बदलाव

1 जुलाई नहीं, अब 1 अप्रैल से शुरू होगा नया सत्र

15 मई से पहले होगा पहला टेस्ट, छुट्टियों के शेड्यूल में भी बड़ा फेरबदल

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान के शिक्षा विभाग ने प्रदेश के 70 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले करीब 70 लाख विद्यार्थियों के लिए एक क्रांतिकारी निर्णय लिया है। निजी स्कूलों से सीधा मुकाबला करने और सरकारी स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के उद्देश्य से विभाग ने अपना 10 साल पुराना नियम बदल दिया है। अब सरकारी स्कूलों का नया शैक्षणिक सत्र 1 जुलाई की बजाय 1 अप्रैल से शुरू होगा।

15 मई तक होगी पढ़ाई, फिर होगा पहला टेस्ट : नई व्यवस्था के तहत 1 अप्रैल से स्कूल खुलने के बाद 15 मई तक नियमित कक्षाएं लगेंगी। इस

बदलाव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसी डेढ़ महीने की अवधि के दौरान छात्रों का पहला टेस्ट भी संपन्न करवा लिया जाएगा। इससे छात्रों की पढ़ाई में निरंतरता बनी रहेगी और शुरुआती सत्र का सदुपयोग हो सकेगा।

गर्मियों की छुट्टियों के कैलेंडर में बदलाव : नया सत्र अप्रैल में शुरू होने के कारण ग्रीष्मकालीन अवकाश के समय में भी संशोधन किया गया है।

नया शेड्यूल

अब 16 मई से 20 जून तक स्कूल बंद रहेंगे। 21 जून से स्कूलों का संचालन पुनः सुचारू रूप से शुरू हो जाएगा। अब तक राज्य में 17 मई से 30 जून तक छुट्टियां होती थीं और नया सत्र 1 जुलाई से प्रारंभ होता था। शिक्षा विभाग का मानना है कि सत्र की देरी के कारण अभिभावक अपने बच्चों का दाखिला निजी स्कूलों में करा देते थे। अब इस विसंगति को दूर कर लिया गया है। साथ ही, विभाग ने 25 मार्च तक सभी जिलों में निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें पहुँचाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है।

भारी-भरकम बिजली बिलों का घर बैठे होगा समाधान, मुख्यालय के नहीं काटने होंगे चक्कर

जयपुर डिस्कॉम की डिजिटल पहल : 5 लाख से अधिक के बिल विवादों की वीसी के जरिए होगी सुनवाई

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान के बिजली उपभोक्ताओं के लिए जयपुर डिस्कॉम ने राहत भरी खबर दी है। डिस्कॉम ने उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल बनाते हुए ऑनलाइन सुनवाई की व्यवस्था शुरू की है। अब 5 लाख रुपये से अधिक के बिजली बिल विवादों को सुलझाने के लिए उपभोक्ताओं को जयपुर स्थित डिस्कॉम मुख्यालय की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से दर्ज होगा पक्ष : नई व्यवस्था के तहत, भारी-भरकम बिलों से संबंधित विवादों के लिए परिवादी अपने संबंधित सर्किल कार्यालय से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपना पक्ष रख सकेंगे। इन मामलों की सुनवाई हर महीने प्रबंध निदेशक (एमडी) की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय कमेटी करेगी। इस ऑनलाइन व्यवस्था से उपभोक्ताओं के समय और यात्रा खर्च की बचत होगी। साथ ही, डिस्कॉम के कर्मचारियों को भी बार-बार

पेशी के लिए मुख्यालय नहीं आना पड़ेगा।

5 लाख तक के बिलों के लिए जोनल व्यवस्था : डिस्कॉम ने स्पष्ट किया है कि 5 लाख रुपये तक के बिलिंग विवादों की सुनवाई पहले की तरह जोनल स्तर पर ही की जाएगी। हालांकि, उपभोक्ताओं को अपनी सुनवाई से कम से कम तीन दिन पहले फोरम को ऑनलाइन सूचना देनी अनिवार्य होगी। वर्तमान में जयपुर डिस्कॉम में 5 लाख से अधिक राशि के 4 बड़े विवाद लंबित हैं, जिन्हें आगामी 30 से 45 दिनों के भीतर निपटाने का लक्ष्य रखा गया है।

बिजली बिल से जुड़ी किसी भी विसंगति के लिए उपभोक्ता इन माध्यमों का उपयोग कर सकते हैं:

वेबसाइट:http://bijlimitra.com पर ऑनलाइन।

ईमेल : डिस्कॉम की आधिकारिक आईडी पर।

पंजीकृत डाक : संबंधित कार्यालय को पत्र भेजकर।

जोधपुर डिस्कॉम में भी जल्द लागू होगी व्यवस्था

जयपुर डिस्कॉम की पहल की सफलता को देखते हुए अगले महीने से जोधपुर डिस्कॉम में भी ऑनलाइन सुनवाई शुरू कर दी जाएगी। इससे पश्चिमी राजस्थान के दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी।

प्रदेश की 'नागौरी पान मेथी' को मिलेगा 'जीआई टैग'

केंद्र सरकार ने दी मंजूरी, किसानों को मिलेंगे बेहतर दाम, निर्यात के खुलेंगे नए द्वार

नागौर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान के नागौर जिले की विशेष पहचान और अपने अनूठे स्वाद व सुगंध के लिए मशहूर 'नागौरी पान मेथी' अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक अलग ब्रांड वैल्यू बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। लंबे समय से चल रहे प्रयासों के बाद, अब इस पारंपरिक उपज को 'जीआई टैग' का कानूनी संरक्षण मिलने जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक पत्र के माध्यम से सांसद बेनीवाल को इस पूरी प्रक्रिया की अहम अपडेट देते हुए बताया है कि जीआई टैग के लिए किए गए आवेदन का मूल्यांकन सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। अब इसे जल्द ही औपचारिक रूप से ठ्ठ जर्नल में प्रकाशित किया जाएगा।

क्या है 'जीआई टैग' : भौगोलिक संकेतक या जीआई टैग एक ऐसा प्रामाणिक प्रमाण पत्र है, जो यह सुनिश्चित करता है कि कोई विशेष उत्पाद केवल एक

निश्चित भौगोलिक क्षेत्र (जैसे नागौर) में ही पैदा होता है और उसके गुण पूरी तरह अद्वितीय हैं।

नकली उत्पादों पर लगेगी लगाम: जीआई टैग मिलने के बाद कोई भी अन्य व्यापारी 'नागौरी पान मेथी' के नाम से अपना नकली या मिलावटी उत्पाद बाजार में नहीं बेच पाएगा।

नागौरी मेथी अपनी विशेष 'कस्तूरी' महक के कारण अन्य सभी क्षेत्रों की मेथी से बिल्कुल अलग होती है। अब इस विशिष्ट पहचान को कानूनी कवच मिल जाएगा। नागौर जिले के हजारों किसान परिवारों के लिए सरकार का यह फैसला एक बड़ी आर्थिक क्रांति लाने वाला साबित होगा।

मिलेंगे बेहतर दाम: ब्रांडिंग के कानूनी रूप से मजबूत होने से किसानों को उनकी फसल का वर्तमान भाव से कहीं अधिक और उचित दाम मिल सकेगा।

बिचौलियों की होगी छुट्टी: यूरोपीय और खाड़ी देशों में नागौरी पान मेथी की पहले से ही भारी मांग है। जीआई टैग मिलने से विदेशी खरीदार बिचौलियों के बिना सीधे किसानों से जुड़ सकेंगे।

मजबूत होगी अर्थव्यवस्था: इससे निर्यात की प्रक्रिया बहुत आसान हो जाएगी, जिससे स्थानीय कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और रोजगार के कई नए अवसर पैदा होंगे।

होली से पहले महंगाई की मार : कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 27.50 रुपए महंगा

तीन महीने में 188 रु. का उछाल, ढाबों और रेस्टोरेंट में खाने की थाली की कीमतों में 5–10% की वृद्धि संभव

__जयपुर (विशेष संवाददाता)।__ होली के त्योहार की तैयारियों में जुटे आमजन और व्यापारियों के लिए महीने के पहले ही दिन बुरी खबर आई है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने 1 मार्च 2026 से कॉमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में 27.50 रुपए. की बढ़ोतरी कर दी है। लगातार तीसरे महीने हुए इस इजाफे ने व्यापारियों और रेस्टोरेंट संचालकों की चिंता बढ़ा दी है।

राजस्थान एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष दीपक गहलोत के अनुसार, प्रदेश में अब 19 किलोग्राम वाला कॉमर्शियल सिलेंडर 1796.50 रुपए में मिलेगा।

व्यावसायिक सिलेंडर की कीमतों में लगी आग के बीच आम गृहणियों के लिए राहत की बात यह है कि 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह अभी भी

856.50 रु. की पुरानी दर पर ही मिलेगा। साथ ही, उज्ज्वला और बीपीएल श्रेणी के लाभार्थियों को मिलने वाली सब्सिडी और रियायती व्यवस्था भी यथावत जारी रहेगी। हलवाई और रेस्टोरेंट संचालकों का कहना है कि होली पर मिठाइयों और नमकीन की भारी मांग रहती है। गैस महंगी होने से लागत बढ़ेगी, जिसका सीधा असर खाने-पीने की चीजों के दाम पर पड़ सकता है।

क्यों पड़ रहा है जेब पर असर?

__मिठाइयां होंगी महंगी:__ हलवाइयों के यहाँ कॉमर्शियल गैस का उपयोग होता है, जिससे गुझिया और अन्य पकवानों के दाम बढ़ सकते हैं।

__बाहर खाना पड़ेगा भारी:__ ढाबों और रेस्टोरेंट में खाने की थाली की कीमतों में 5–10% की वृद्धि संभव है।

__त्योहारी बजट बिगड़ा:__ लगातार बढ़ती कीमतों से बाजार में व्यापारिक गतिविधियों पर दबाव बढ़ रहा है।

क्या आप भी हर महीने आने वाले भारी-भरकम बिजली बिल से परेशान हैं?

'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के तहत एक बार सोलर रूफटॉप सिस्टम पर निवेश कर उपभोक्ता वर्षों तक मुफ्त बिजली का आनंद ले

सोलर सिस्टम क्षमता	सरकारी सब्सिडी	अनुमानित उत्पादन
(प्रति माह)1 किलोवाट	30,000	9100 यूनिट
2 किलोवाट	60,000	9200 यूनिट
3 किलोवाट या अधिक	78,000 (अधिकतम)	300+ यूनिट

कैसे काम करता है 'नेट-मीटरिंग' सिस्टम?

यह योजना पूरी तरह 'डिमांड आधारित' है। दिन के समय सोलर पैनल सूर्य की रोशनी से बिजली पैदा करते हैं। अगर आपके घर में खपत कम है, तो बची हुई बिजली सरकारी ग्रिड में चली जाती है। रात के समय आप ग्रिड से बिजली लेते हैं। महीने के अंत में दोनों का हिसाब होता है, जिससे आपका बिल शून्य हो जाता है। यदि आप भी अपना बिजली बिल जीरो करना चाहते हैं, तो इन चरणों का पालन करें: आधिकारिक पोर्टल पर जाकर एप्लाई फोर रूफ टोप सोलर पर क्लिक करें।

विवरण भरें: अपना राज्य, बिजली वितरण कंपनी और उपभोक्ता खाता नंबर दर्ज करें।

लॉगिन: मोबाइल नंबर और के जरिए लॉगिन कर आवेदन फॉर्म भरें।

अप्रूवल: जानकारी वेरिफाई होने के बाद बिजली कंपनी से इंस्टॉलेशन की मंजूरी मिलेगी।

सब्सिडी : सोलर पैनल लगने और नेट-मीटरिंग स्थापित होने के बाद सब्सिडी की राशि सीधे आपके खाते में आ जाएगीह्यह्यह्यह्यह्य।

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान में अब बिजली बिल को 'जीरो' करने का एक स्थाई समाधान सामने आया है। 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के तहत एक बार सोलर रूफटॉप सिस्टम पर निवेश कर उपभोक्ता वर्षों तक मुफ्त बिजली का आनंद ले सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हाल ही में राजस्थान के 1.25 लाख परिवारों के इस मुहिम से जुड़ने और बिल शून्य होने की सफलता का जिक्र किया है। क्या है योजना और कैसे होगा फायदा फरवरी 2024 में शुरू हुई इस योजना का लक्ष्य देश के 1 करोड़ घरों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देना है।

छत पर सोलर पैनल लगाने से न केवल घरेलू जरूरतें पूरी होती हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली ग्रिड को बेचकर कमाई भी की जा सकती है।

सब्सिडी का गणित: जेब पर कितना पड़ेगा बोझ?

सरकार इस योजना को बढ़ावा देने के लिए सीधे बैंक खाते में भारी सब्सिडी दे रही है। सब्सिडी की राशि आपके सिस्टम की क्षमता पर निर्भर करती है 78,000 की सब्सिडी के बाद लागत काफी कम हो जाती है, जिससे परिवार हर महीने लगभग ?2,500 तक की बचत कर सकता है।

पिंक सिटी में सजेगा 'शक्ति वंदन' का मंच

सीएम करेंगे आगाज, रवीना टंडन और मैथिली ठाकुर बढ़ाएंगी नारी शक्ति का मान

जयपुर (निज संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस और मां पन्नाधाय जयंती के उपलक्ष्य में राजस्थान की राजधानी जयपुर एक ऐतिहासिक महाआयोजन की साक्षी बनने जा रही है। 8 और 9 मार्च को जवाहर कला केंद्र (जेकेके) के शिल्प ग्राम में 'शक्ति वंदन-भारत के स्व का अभिनंदन' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सेवायाम् संस्था के तत्वावधान में होने वाले इस दो दिवसीय समागम का संयोजन नगर निगम जयपुर ग्रेटर की निवर्तमान महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर द्वारा किया जा रहा है।

इस भव्य कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ 8 मार्च को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे। उद्घाटन सत्र की सबसे खास बात मां पन्नाधाय की भव्य प्रतिमा का अनावरण होगा, जो त्याग और बलिदान की प्रतिमूर्ति मानी जाती हैं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सहित राजनीति और समाज की कई प्रतिष्ठित हस्तियों के शामिल होने की संभावना है।

शौर्य का प्रदर्शन: 500 महिलाएं भांजेंगी तलवारें नारी सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को समर्पित इस आयोजन में राजस्थान की बेटियों का अदम्य साहस देखने को मिलेगा। सुबह 9 से 11 बजे तक आयोजित विशेष सत्र में सैकड़ों बालिकाएं आत्मरक्षा के गुर सीखेंगी। 500 से अधिक महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में तलवारबाजी का

जौहर दिखाएंगी, जो महिला सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण होगा।

ग्लैमर और ज्ञान का संगम : जवाहर कला केंद्र में आयोजित होने वाले विभिन्न टॉक शो में कला और तकनीक पर चर्चा होगी। बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन, अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर और सुप्रसिद्ध गायिका व विधायक मैथिली ठाकुर सत्रों को संबोधित करेंगी।

प्रमुख विषय: 'जेन-जी का विकसित भारत', 'एआई फॉर वूमन' और 'नारी उद्यमिता' जैसे आधुनिक विषयों पर विमर्श होगा। समापन सत्र में राष्ट्रीय सेविका समिति की प्रमुख कार्यवाहिका वंदनीया सीता ताई का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

स्वास्थ्य और स्वावलंबन: 'शक्ति कवच' से सुरक्षा

आयोजन केवल उत्सव तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक सरोकार से भी जुड़ा है:

निःशुल्क टीकाकरण: 'शक्ति कवच' अभियान के तहत 9 से 14 वर्ष की 1000 बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन निःशुल्क लगाई जाएगी।

महिला बाजार : महिला उद्यमियों को मंच देने के लिए आयोजन स्थल पर 300 से अधिक निःशुल्क स्टॉल लगाए जाएंगे, जहाँ प्रदेशभर के हस्तशिल्प और स्टार्टअप्स का प्रदर्शन होगा।

सीकर में एसीबी का बड़ा धमाका

ईडी का हेड कॉन्स्टेबल 13 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

सीकर (विशेष संवाददाता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर की टीम ने शनिवार को सीकर के व्यस्ततम कल्याण सर्किल स्थित अशोका होटल के बाहर एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। टीम ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के हेड कॉन्स्टेबल उत्तम पांडे को एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) से 13 लाख रुपये की घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी हेड कॉन्स्टेबल उत्तम पांडे पिछले काफी समय से पीड़ित सीए को डरा-धमका रहा था। वह खुद को ईडी का रसूखदार अधिकारी बताकर दबाव बना रहा था कि यदि उसने मोटी रकम नहीं दी, तो उसे एक गंभीर मामले में आरोपी बना दिया जाएगा। अपनी साख बचाने के लिए पीड़ित ने मजबूरन 2 लाख रुपये की पहली किश्त पहले ही थमा दी थी, लेकिन आरोपी का लालच बढ़ता गया और उसने कुल 15 लाख रुपये की डिमांड रख दी। 11 लाख के डमी नोटों में फंसा 'रिश्वतखोर धमकियों से तंग आकर पीड़ित ने जयपुर एसीबी में शिकायत दर्ज कराई। एसीबी ने मामले का सत्यापन किया और आरोपी को दबोचने के लिए जाल बिछाया। शनिवार को जब उत्तम पांडे बाकी के 13 लाख रुपये लेने सीकर पहुंचा, तो एसीबी ने पीड़ित को 11 लाख रुपये के डमी नोट और 2 लाख रुपये असली देकर भेजा। जैसे ही होटल के बाहर आरोपी ने रिश्वत की यह भारी-भरकम राशि थामी और अंदर जाने लगा, पहले से सादे कपड़ों में तैनात एसीबी की टीम ने उसे दबोच लिया। अचानक हुई इस कार्रवाई से मौके पर हड़कंप मच गया।

ठिकानों पर सर्च शुरू, बड़े रैकेट की आशंका : एसीबी की टीम अब आरोपी को गुप्त स्थान पर ले जाकर पूछताछ कर रही है। साथ ही, उसके आवास और अन्य ठिकानों पर भी सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। अधिकारी इस बात की भी गहनता से जांच कर रहे हैं कि क्या इस वसूली के खेल में विभाग के कुछ अन्य अधिकारी भी शामिल हैं।

सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ जंग: अजमेर की मनीषा बनीं 'ब्रांड एम्बेसडर', पीएम मोदी ने खुद थमाई जागरूकता की मशाल

अजमेर (विशेष संवाददाता)। देश को सर्वाइकल कैंसर मुक्त बनाने की दिशा में रविवार को अजमेर के कायड़ विश्राम स्थली से एक नए युग की शुरुआत हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान चाचियावास की 9वीं कक्षा की छात्रा मनीषा रावत को देश का पहला टीका लगाकर उन्हें इस अभियान की 'ब्रांड एम्बेसडर' नियुक्त किया गया।

टीकाकरण से पूर्व प्रधानमंत्री ने एक संजीदा पहल करते हुए मनीषा की मां सोनू से वैक्सीन लगाने की अनुमति मांगी। भावुक होते हुए मां ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री का उनकी बेटी के प्रति यह स्नेह और फिक्र 'बेटी का सौभाग्य' है। इसके बाद प्रधानमंत्री ने मनीषा को आशीर्वाद देते हुए जिम्मेदारी सौंपी कि वह अब अन्य किशोरियों और महिलाओं के बीच सर्वाइकल कैंसर से बचाव की अलख जगाएंगी।

इन पांच भाग्यशाली किशोरियों से हुआ आगाज

प्रधानमंत्री की उपस्थिति में चिकित्सा विभाग की टीम ने चयनित पांच बालिकाओं का टीकाकरण किया मनीषा रावत (राजकीय सीनियर सैकंडरी स्कूल,

श्रीनगर), भूमिका (महात्मा गांधी राजकीय स्कूल, गगवाना), पूर्वी अग्रवाल (एमपीएस, अजमेर), चंचल (राजकीय सीनियर सैकंडरी स्कूल, क्रिश्चयनगंज), चिड़िया मेघवंशी (राजकीय सीनियर सैकंडरी स्कूल, श्रीनगर)

क्या है एचपीवी वैक्सीन? : यह वैक्सीन महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) को रोकने में कारगर है।

उम्र: 9 से 14 वर्ष की किशोरियों के लिए यह सबसे अधिक प्रभावी मानी जाती है। प्रधानमंत्री के 'स्वस्थ भारत' मिशन के तहत देशभर की करोड़ों बेटियों को इस सुरक्षा कवच से जोड़ना।

पीएम का संवाद 'पढ़ाई जारी रखना और जागरूकता फैलाना'

वैक्सीनेशन सेंटर में प्रधानमंत्री ने बालिकाओं से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने छात्रा चंचल से उसकी पढ़ाई और सर्वाइकल कैंसर की गंभीरता के बारे में पूछा। मनीषा को बधाई देते हुए पीएम ने कहा— 'खूब पढ़ाई करो और समाज की अन्य किशोरियों को इस जानलेवा बीमारी के प्रति जागरूक करो।'

पूरी कमान 'नारी शक्ति' के हाथ :

इस महत्वपूर्ण अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक और चिकित्सा स्तर पर पूरी जिम्मेदारी महिला अधिकारियों ने संभाली। प्रशासनिक अधिकारी अनुपमा टेलर और मेघना चौधरी के साथ सीएमएचओ डॉ. ज्योत्सना रंगा व आरसीएचओ डॉ. शिन्दे स्वाति ने टीकाकरण की पूरी व्यवस्था को अंजाम दिया। पहले चरण के लिए 50 बालिकाओं में से इन 5 का चयन किया गया था।

श्रद्धालुओं की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई | अफवाहों की भेंट चढ़ा खाटू का लक्खी मेला

40 लाख लोगों की उम्मीद थी, पहुंचे सिर्फ 15 लाख, व्यापारियों को हुआ भारी नुकसान

खाटूश्यामजी (विशेष संवाददाता)। विश्व प्रसिद्ध खाटूश्यामजी का इस बार का फाल्गुन मेला उम्मीद के मुताबिक परवान नहीं चढ़ सका। जिस मेले में आस्था का सैलाब उमड़ने की उम्मीद थी, वहां इस बार श्रद्धालुओं की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई। प्रशासन ने जहां 30 से 40 लाख भक्तों के आने का अनुमान लगाया था, वहीं हकीकत में यह आंकड़ा 15 लाख तक ही सिमट कर रह गया। इसका सीधा असर स्थानीय व्यापार पर पड़ा है, जिससे होटल से लेकर फूल-प्रसाद के दुकानदार तक मायूस हैं।

मेला फीका रहने की सबसे बड़ी वजह सोशल मीडिया पर फैली अफवाहें रहीं। व्यापारियों और श्रद्धालुओं का कहना है कि यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर ऐसी रील्स वायरल की गईं जिनमें दावा किया

गया कि दर्शन के लिए 45 किलोमीटर पैदल चलना होगा। जयपुर से आए श्रद्धालु ने बताया कि वास्तविकता इसके उलट है। खाटू में भीड़ होने के बावजूद 6 किमी से ज्यादा पैदल नहीं चलना पड़ रहा है। 45 किमी की अफवाह ने बाहरी राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं और बुजुर्गों में डर पैदा कर दिया, जिससे उन्होंने इस बार मेले से दूरी बना ली।

व्यापारियों का दर्द : भक्तों की संख्या 50% कम रहने से खाटू का बाजार पूरी तरह प्रभावित हुआ है। पुष्प भंडार के मालिक ने बताया कि बाबा श्याम को चढ़ने वाले गुलाब के फूलों का बड़ा स्टॉक खराब हो गया। प्रसाद विक्रेताओं का भी आधा माल नहीं बिक सका। जहां आम दिनों में कमरों के लिए मारामारी रहती थी, वहां इस बार 50% ऑक्यूपेंसी भी नहीं रही।खिलौना विक्रेता के मुताबिक, उनका 20% माल भी नहीं बिक पाया है।

मेला फीका रहने के 5 प्रमुख कारण कारण विवरण

भ्रामक अफवाहें सोशल मीडिया पर 45 किमी पैदल चलने की झूठी खबरें वायरल होना।

बसों की हड़ताल

खाटू-जयपुर प्राइवेट बस ऑपरेटरों की हड़ताल से परिवहन व्यवस्था चरमराई। राजस्थान और बोर्ड परीक्षाओं के चलते परिवारों ने यात्रा टाली। पार्किंग की दूरी मुख्य कस्बे से 2-4 किमी दूर बनी पार्किंग ने श्रद्धालुओं की परेशानी बढ़ाई। बैरिकेडिंग रास्ते रोकने से भक्तों को रुकने में दिक्कत हुई, वे सीधे दर्शन कर लौट गए। व्यवस्थाओं पर उठे सवाल व्यापारी ने बताया कि इस बार व्यवस्थाओं में तालमेल की कमी दिखी। बेरिकेडिंग इतनी अधिक थी कि श्रद्धालु कस्बे में रुकने के बजाय सीधे एग्जिट पॉइंट की ओर बढ़ते रहे।

पसोपा में उपमुख्यमंत्री ने किया महिला कॉलेज का शिलान्यास

70 साल का सूखा खत्म, अब बेटियां घर के पास ही पा सकेंगी उच्च शिक्षा

ब्रजनगर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने शनिवार को ब्रजनगर के पसोपा गांव में एक भव्य समारोह के दौरान राजकीय महिला महाविद्यालय का भूमि पूजन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस कॉलेज की स्थापना से क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही उच्च शिक्षा की कमी दूर होगी और बालिकाओं को पढ़ाई के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उपमुख्यमंत्री के आगमन पर स्थानीय ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया। हजारों की संख्या में जुटे निवासियों ने डॉ. बैरवा और राज्य मंत्री बेढ़म का साफा पहनाकर और पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। मंच से उपमुख्यमंत्री ने क्षेत्रवासियों को आगामी होली महोत्सव की अग्रिम शुभकामनाएं भी दीं।

'डबल इंजन' सरकार से विकसित राजस्थान का संकल्प : समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के विजन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में ऐतिहासिक विकास कार्य हो रहे हैं। हमारी डबल इंजन की सरकार अंत्योदय के संकल्प के साथ हर वंचित क्षेत्र तक शिक्षा और सुविधाएं पहुंचा रही है।

सम्पादकीय

अनिश्चितता से घिरा ईरान पूरी दुनिया पर पड़ेगा असर

इजरायल-अमेरिका की संयुक्त कार्रवाई में अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान में नेतृत्व परिवर्तन हुआ है, पर सत्ता परिवर्तन संदिग्ध है। ईरानी सेना बदला लेने की धमकी दे रही है, जिससे पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ रहा है, जिसका वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ेगा।

इजरायल-अमेरिका की संयुक्त सैन्य कार्रवाई में ईरान के सर्वोच्च शासक एवं मजहबी नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद वहां नेतृत्व परिवर्तन तो हो गया, लेकिन यह कहना कठिन है कि सत्ता परिवर्तन भी हो जाएगा, जो कि अमेरिकी राष्ट्रपति का लक्ष्य है। एक तो ईरान वेनेजुएला नहीं है और न ही वहां शासन एवं सेना को नियंत्रित करने वाले तंत्र में फिलहाल किसी असहमति और विद्रोह के आसार दिख रहे हैं।

इसका प्रमाण यह है कि खामेनेई के स्थान पर अंतरिम नेतृत्व के नाम की घोषणा कर दी गई है एवं ईरानी सेना और विशेष रूप से रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर इजरायल-अमेरिका के हमले का जवाब देने के साथ ही खामेनेई की मौत का बदला लेने की धमकी भी दे रहे हैं। ईरानी सेना जिस तरह इजरायल को निशाना बनाने के साथ सऊदी अरब, कतर, जार्डन, ओमान, बहरीन, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात आदि जगह अमेरिकी सैन्य ठिकानों के साथ नागरिक क्षेत्रों को निशाना बना रही है, उससे यही स्पष्ट होता है कि वह आसानी से हार नहीं मानने वाली।

ईरानी सेना ने जिस तरह पड़ोसी देशों में नागरिक ठिकानों पर भी हमले किए, उससे पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ेगा। इसका असर भारत समेत पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र विश्व को ऊर्जा की आपूर्ति का बड़ा स्रोत है। ईरानी सेना के प्रतिरोध के बावजूद तथ्य यही है कि वह इजरायल और अमेरिका की सैन्य क्षमता का लंबे समय तक सामना नहीं कर सकती।

इस पर आश्चर्य नहीं कि खामेनेई की मौत के बाद जहां आम तौर पर शिया जगत में आक्रोश है, वहीं ईरान में जनता का एक वर्ग खुश है। इसका कारण यही है कि करीब 40 वर्षों से सत्ता पर काबिज रहने के दौरान उन्होंने निरंकुशता से शासन किया और अपने लोगों पर कठोर मजहबी मान्यताएं थोपीं। इसके अतिरिक्त उन्होंने हिजबुल्ला, हमास एवं हाउती जैसे संगठनों की हर तरह से मदद की। इससे इजरायल और अमेरिका का ईरान से का बैर बढ़ा। इसमें संदेह नहीं कि ईरान पर इजरायल और अमेरिका का हमला वैध नहीं।

यह हमला कुल मिलाकर अमेरिका की मनमानी का ही परिचायक है, लेकिन जो स्थिति बनी उसके लिए ईरानी सत्ता की हठधर्मिता भी उत्तरदायी है। ईरान येन-केन - प्रकारेण परमाणु हथियार बनाने की जुगत में लगा हुआ था। यदि ईरानी सत्ता ने परमाणु हथियार कार्यक्रम को लेकर अड़ियल रुख का परिचय नहीं दिया होता तो संभवत: कूटनीतिक वार्ताओं के माध्यम से कोई हल निकल सकता था।

कहना कठिन है कि ईरान का भविष्य क्या है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि एक समय आधुनिकता का वरण करने वाला यह देश पुरातनपंथी मजहबी कट्टरता में जकड़ गया था और इसी कारण ईरानी जनता के एक वर्ग के साथ पश्चिमी जगत में ईरानी शासन के प्रति विरोध बढ़ता जा रहा था।

विचार-1

सशक्तिकरण अर्थात् महिलाओं के मौलिक अधिकारों का संरक्षण

महिला सशक्तिकरण कोई नारा नहीं है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की वह प्रक्रिया है जो महिलाओं को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। जब किसी समाज में महिलाओं को शिक्षा, समान अवसर और सम्मान मिलता है, तो वह समाज तेजी से प्रगति करता है। आज का भारत इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है, जहाँ महिलाएं हर क्षेत्र जैसे विज्ञान, खेल, राजनीति, व्यवसाय और सामाजिक सेवा में अपनी पहचान स्थापित कर रही हैं।

■ डॉ सुरुचि गोस्वामी

जब कभी भी महिलाओं की चर्चा हो या महिला दिवस आने वाला हो तब महिला सशक्तिकरण की बात ना हो ऐसा संभव नहीं है। महिला सशक्तिकरण आखिर है क्या? क्या ये किसी प्रकार का दंगल है या युद्ध है जहां शक्ति प्रदर्शन करना हो? आइए इसे सरल शब्दों में समझते हैं

जहां नारी की शक्ति का, करते हैं गुणगान।
नहीं जगह कोई और, वही है मेरा हिंदुस्तान।
वो है मां, वही बहना है, वही प्रिया और प्राण।
वही साधना, वही प्रार्थना, वही ज्ञान-संधान।
वही अवलोकन,वही सत्य है, वही तथ्य-संदर्भ।
वही समझती पीड़ा सबकी, वही जीवन का मर्म।

भारत में जहां मातृशक्ति दुर्गा और काली की उपासना की परंपरा है वहां एक महिला को शक्ति का स्वरूप माना जाता है और जब एक महिला सशक्त होती है, तो पूरा परिवार और समाज मजबूत होता है।

महिला सशक्तिकरण का अर्थ है एक महिला का सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक रूप से इतना सक्षम होना कि वो अपने जीवन से जुड़े निर्णय स्वयं ले सके। यह केवल अधिकार लेने-देने या छीनने की बात नहीं है, बल्कि आत्मविश्वास, सम्मान और समान अवसर प्रदान करने की सामान्य प्रक्रिया है। महिला सशक्तिकरण का असली महत्व तब है जब कुछ सामान्य अधिकार महिला को मौलिक रूप से दिए जाएं। उदाहरण के तौर पर 'शिक्षा' किसी भी सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है। जब एक लड़की शिक्षित होती है, तो वह न केवल अपने जीवन को बेहतर बनाती है बल्कि आने वाली पीढ़ी को भी शिक्षित करती है। शिक्षा स्वयं के जीवन को समझने और समझदारी से जीने की प्रेरणा देती है।

दूसरी सीढ़ी है 'आर्थिक स्वतंत्रता' : स्वरोजगार, नौकरी और व्यवसाय में भागीदारी महिलाओं को आत्मसम्मान और सुरक्षा प्रदान करती है, और आर्थिक रूप से सुरक्षित महिला अपने कुछ व्यक्तिगत फैसले लेने में सक्षम हो जाती है। आत्मनिर्भरता कोई अधिकार भी नहीं है ये एक गुण है जिसे अपनाया जाता है। इसके बाद आता है -

'सामाजिक सम्मान' : जिसके अंतर्गत आता है महिलाओं को पुरुष समान बराबर का दर्जा देना।

घरेलू हिंसा, भेदभाव और बाल विवाह जैसी कुरीतियों को समाप्त करना महिला सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब विवाह और संतान को दुनियां में लाने के लिए महिला और पुरुष बराबर के साझेदार हैं तो फिर अन्य सामाजिक कार्यों में एक बड़ा और एक छोटा क्यों हो ?

राजनीतिक भागीदारी और : पंचायत से लेकर संसद तक महिलाओं की भागीदारी होने से नीतियों में संतुलन आता है और समाज के हर वर्ग की आवाज सुनी जाती है।

भारत में महिला सशक्तिकरण की दिशा में समय-समय पर कई कदम उठाए गए हैं। उदाहरण के लिए, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिका शिक्षा और लिंग अनुपात के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा, महिलाओं की भी सुरक्षा और अधिकारों के लिए कानून बनाए गए हैं तथा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण के मार्ग में आने वाली कुछ चुनौतियाँ जैसे कि लिंग आधारित भेदभाव,शिक्षा और स्वास्थ्य में असमानता,कार्यस्थल पर असुरक्षा, सामाजिक परंपराएं और मानसिकता आदि को दूर करने के लिए केवल सरकार नहीं, बल्कि पूरे समाज को मिलकर

प्रयास करना होगा। महिला सशक्तिकरण केवल महिलाओं से जुड़ा मुद्दा नहीं है, यह पूरे समाज के विकास से जुड़ा हुआ विषय है। जब महिलाएँ सुरक्षित, शिक्षित और आत्मनिर्भर होंगी, तभी एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव होगा।

'एक सशक्त महिला ही सशक्त भारत की नींव है।'

महिला सशक्तिकरण कोई नारा नहीं है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की वह प्रक्रिया है जो महिलाओं को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। जब किसी समाज में महिलाओं को शिक्षा, समान अवसर और सम्मान मिलता है, तो वह समाज तेजी से प्रगति करता है। आज का भारत इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है, जहाँ महिलाएँ हर क्षेत्र जैसे विज्ञान, खेल, राजनीति, व्यवसाय और सामाजिक सेवा में अपनी पहचान स्थापित कर रही हैं।

सदियों से चली आ रही असमानताओं के बावजूद भारतीय महिलाओं ने अपने साहस और परिश्रम से यह सिद्ध किया है कि वे किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं।

महिला सशक्तिकरण केवल प्रसिद्ध व्यक्तित्वों तक सीमित नहीं है। गाँवों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएँ आज छोटे-छोटे व्यवसाय चला रही हैं, परिवार की आर्थिक स्थिति सुधार रही हैं और अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दे रही हैं। सरकार द्वारा चलाई गई योजनाएँ जैसे 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' ने समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हालाँकि प्रगति हुई है, फिर भी महिलाओं को लिंग भेद, घरेलू हिंसा, वेतन असमानता और सामाजिक रूढ़ियों जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सच्चा सशक्तिकरण तभी संभव है जब शिक्षा, कानून और सामाजिक जागरूकता के माध्यम से इन बाधाओं को समाप्त किया जाए।

महिला सशक्तिकरण अधिकार से आगे एक आत्मबोध की यात्रा है। महिला सशक्तिकरण केवल कानूनों, योजनाओं या पदों तक पहुँचने का नाम नहीं है। यह उस मौन परिवर्तन की प्रक्रिया है जो एक लड़की के मन में तब शुरू होती है, जब उसे पहली बार यह एहसास होता है कि 'मैं भी कर सकती हूँ।' सशक्तिकरण बाहर से दिया हुआ वरदान नहीं, भीतर से जागा हुआ आत्मबोध है। भारत जैसे विविधता वाले देश में महिला की भूमिका हमेशा बहुआयामी रही है। वह घर की धुरी भी है और समाज की निर्माता भी। यह उस गृहिणी की भी कहानी है जो पूरे परिवार को संभालते हुए आत्मसम्मान से जीती है, उस किसान महिला की भी, जो खेत में कंधे से कंधा मिलाकर काम करती है, और उस छात्रा की भी, जो अपने सपनों के लिए रात-दिन मेहनत करती है।

महिलाओं में क्षमता की कमी नहीं है, बल्कि समस्या यह है कि सदियों से उनकी क्षमता को सीमाओं में बाँध दिया गया। उन्हें बताया गया कि उनका संसार रसोई तक है, निर्णय पुरुषों का अधिकार है और सपने देखने का हक भी सीमित है, जबकि आज कई ग्रामीण महिलाएँ लघु उद्योग चला रही हैं। पापड़, अचार, हस्तशिल्प, डेयरी-ये छोटे प्रयास केवल आय का साधन नहीं, आत्मसम्मान का स्रोत हैं। बेटियों के प्रति सोच में परिवर्तन लाने का प्रयास अतिआवश्यक है, और असली बदलाव तब आता है जब पिता गर्व से कहे-'मेरी बेटी मेरा अभिमान है।

'निष्कर्षत: सशक्तिकरण अधिकारों से आगे बढ़कर आत्मसम्मान की स्थिति है। जब महिला स्वयं को कमतर समझना छोड़ देती है, तभी समाज उसे बराबरी से देखना शुरू करता है। असली सशक्तिकरण तब शुरू होता है, जब एक साधारण घर की लड़की को यह कहा जाए-'तू बोझ नहीं, संभावनाओं का संसार है।'

राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका

■ अर्चना सिंह 'अना'

अंततः सत्य तो यही है 'जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तब एक सशक्त परिवार का निर्माण होता है और एक सशक्त परिवार ही सशक्त राष्ट्र की नींव होता है।' भारत वर्ष तो सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, लता मंगेशकर जैसी वैचारिक दृष्टिकोण से परिपक्व एवं कल्पना चावला, कर्नल सोफिया कुरैशी एवं विंग कमांडर व्योमिका सिंह जैसी जाँबाज महिलाओं का देश है।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाते हुए यह विचार मन में हमेशा आता है, कि ऐसा क्या कारण है कि हमें महिला दिवस मनाने की आवश्यकता पड़ी। इस सन्दर्भ में आज हम वैश्विक नहीं भारतीय समाज में महिलाओं की भूमिका के विषय में बात करेंगे। क्या भारतीय महिलाएं हमेशा से कमजोर थीं?

आदि काल से देखें तो भारतीय नारी कभी कमजोर रही ही नहीं है। सनातन परंपरा में सामाजिक व्यवस्था के प्रमुख तीनों विभागों की अधिष्ठात्री भी नारियाँ ही हैं। विद्या की देवी सरस्वती, धन प्राप्ति के लिए लक्ष्मी और यहाँ तक कि शक्ति प्राप्ति के लिए भी भगवती दुर्गा की उपासना की जाती है। वैदिक काल में देखें तो गार्गी, मैत्रेई, लोपामुद्रा ,अपाला, घोषा एवं विश्वम्भरा जैसी विदुषी नारियों को समाज में उच्च स्थान प्राप्त था। पौराणिक काल की बात करें तो कैकेई, सीता, मन्दोदरी, द्रौपदी, गांधारी जैसी महिलाएं हैं। इतिहास में झांकते हैं तो विषम परिस्थितियों में भी लक्ष्मी बाई, जीजा बाई, पन्ना धाय, मीरा बाई, रानी पद्मावती एवं अहिल्याबाई होलकर, जैसे अनेकों नाम हैं जिनके योगदान को भारत कभी भुला नहीं सकता। सामाजिक स्तर पर महिला पुरुष का भेद दरअसल समसामयिक परिस्थितियों एवं वैचारिक दासता से उत्पन्न हुआ था। वस्तुत: हमारे यहाँ तो स्वयं सदाशिव भी शक्ति के बिना शव (अपूर्ण) ही माने जाते हैं।

वर्तमान संदर्भ में देखें तो किसी भी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का मापदंड केवल उसकी आर्थिक उन्नति या तकनीकी विकास नहीं होता, बल्कि यह इस बात से तय होता है कि उस राष्ट्र ने अपनी आधी आबादी माने 'महिलाओं' को कितना सम्मान, समान अवसर और भागीदारी दी है। इतिहास साक्षी है कि जिस समाज में महिलाओं को सशक्त स्थान मिला, वह समाज अधिक सभ्य, संतुलित और प्रगतिशील बना। वर्तमान समय में राष्ट्र निर्माण की अवधारणा बहुआयामी हो चुकी है, जिसमें सामाजिक न्याय, आर्थिक विकास, शिक्षा, विज्ञान, नैतिकता और लोकतांत्रिक सहभागिता सभी शामिल हैं। इन सभी आयामों में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और निर्णायक बनकर उभरी है। महिला केवल परिवार की धुरी नहीं होती, बल्कि वह समाज की संस्कार-निर्माता भी होती है। एक शिक्षित और जागरूक महिला पूरे परिवार को प्रगतिशील सोच प्रदान करती है। वह बच्चों में नैतिकता, अनुशासन और मानवीय मूल्यों का बीजारोपण करती है। इस प्रकार राष्ट्र निर्माण की नींव घर से ही रखी जाती है, और उस नींव की शिल्पकार महिला होती है।

आज जब समाज अनेक चुनौतियों जैसे हिंसा, असमानता, सामाजिक विभाजन और नैतिक पतन से जूझ रहा है, तब महिलाओं की संवेदनशील दृष्टि समाज को संतुलन प्रदान कर सकती है। महिला में सहानुभूति और समन्वय की जो स्वाभाविक क्षमता होती है, वही राष्ट्र को मानवीय दिशा देती है।

यदि शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान देखें तो... शिक्षा राष्ट्र निर्माण का सबसे प्रभावी साधन है, और इस क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका अत्यंत व्यापक है। एक शिक्षित महिला स्वयं सशक्त होती है और दूसरों को भी सशक्त बनाती है। शिक्षिका, प्रोफेसर, वैज्ञानिक और शोधकर्ता के रूप में महिलाएं ज्ञान के प्रसार और नवाचार को गति दे रही हैं। कहा भी गया है। यदि एक पुरुष शिक्षित होता है तो वह एक व्यक्ति ही शिक्षित होता है, किन्तु यदि एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा

परिवार शिक्षित होता है। इसीलिए महिला शिक्षा को राष्ट्र विकास का गुणक भी कहा जाता है।

वर्तमान समय में महिलाएं आर्थिक विकास की प्रेरक शक्ति बन कर उभरी हैं। वे आर्थिक क्षेत्र में भी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। एक ओर जहां उद्योग, व्यापार, बैंकिंग, कृषि, सूचना तकनीक, सेवा क्षेत्र और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर रही हैं। आर्थिक रूप से सशक्त महिला परिवार की जीवन-स्तर को सुधारती है, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देती है, जिससे मानव संसाधन की गुणवत्ता बढ़ती है। यह सीधे राष्ट्र की प्रगति से जुड़ा हुआ है।

पुरुष प्रधान समाज में यदि राजनीतिक सहभागिता और नेतृत्व के क्षेत्र में देखें तो हमारे यहां राष्ट्र की प्रथम महिला के रूप में पूर्व में महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल जी व वर्तमान समय में द्रौपदी मुर्मू जी महामहिम के पद पर आसीन हैं। वर्तमान वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी, श्रीमती इंदिरा गांधी, श्री मति सुषमा स्वराज सहित अनेकों नाम अपने सशक्त व्यक्तित्व व नेतृत्व कौशल के कारण देश ही नहीं विदेशों में भी उदाहरण स्वरूप लिए जाते हैं। लोकतंत्र की सफलता नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी लोकतंत्र को अधिक समावेशी और संवेदनशील बनाती है। पंचायतों में महिलाओं के आरक्षण ने यह सिद्ध कर दिया है कि अवसर मिलने पर महिलाएं प्रशासन और नेतृत्व में उत्कृष्ट कार्य कर सकती हैं। महिलाएं अक्सर शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जल संरक्षण और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देती हैं, जो कि राष्ट्र निर्माण के मूल तत्व हैं।

विज्ञान, तकनीक के क्षेत्र में भी : आज महिलाएं अंतरिक्ष, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, अनुसंधान और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा लिंग पर निर्भर नहीं होती, बल्कि अवसर पर निर्भर करती है। महिलाओं की वैज्ञानिक और तकनीकी भागीदारी राष्ट्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत बनाती है। सांस्कृतिक संरक्षण और नैतिक आधार पर देखें तो कोई भी राष्ट्र केवल भौतिक संसाधनों से नहीं बनता, बल्कि अपनी संस्कृति, परंपरा और नैतिक मूल्यों से बनता है। महिलाएं पीढ़ी दर पीढ़ी संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण करती हैं। परिवार में प्रेम, त्याग, सहयोग और सहिष्णुता जैसे मूल्यों का विकास भी महिलाओं के माध्यम से होता है। इस प्रकार महिला राष्ट्र की आत्मा को जीवित रखने वाली शक्ति है। भारत वर्ष तो सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, लता मंगेशकर, कल्पना चावला के साथ -साथ कर्नल सोफिया कुरैशी एवं विंग कमांडर व्योमिका सिंह जैसी वैचारिक दृष्टिकोण से परिपक्व व जाँबाज महिलाओं का देश है। यद्यपि आज हम हर स्तर पर महिला पुरुष की बराबरी की बात करते हैं फिर भी कहीं - कहीं विसंगतियों के चलते उन्हें पारिवारिक एवं सामाजिक स्तर पर अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जैसे- लैंगिक भेदभाव, शिक्षा में असमानता, कार्यस्थल पर असुरक्षा, सामाजिक रूढ़ियां। इन समस्याओं के समाधान के लिए कुछ ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। जिसकी शुरुआत हमें हमारे घरों से करनी होगी। यदि समग्र रूप से देखें तो राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका पूरक नहीं, बल्कि केंद्रीय है। महिलाएं केवल विकास की भागीदार नहीं, बल्कि परिवर्तन की प्रेरक शक्ति हैं। जिस दिन समाज महिलाओं को 'कमजोर वर्ग' नहीं बल्कि 'समान शक्ति' के रूप में स्वीकार कर लेगा, उस दिन राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया ऊर्ध्वगामी और स्थायी हो जाएगी।

अंततः सत्य तो यही है : 'जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तब एक सशक्त परिवार का निर्माण होता है और एक सशक्त परिवार ही सशक्त राष्ट्र की नींव होता है।' भारत वर्ष तो सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, लता मंगेशकर जैसी वैचारिक दृष्टिकोण से परिपक्व एवं कल्पना चावला, कर्नल सोफिया कुरैशी एवं विंग कमांडर व्योमिका सिंह जैसी जाँबाज महिलाओं का देश है।

अन्त में यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा...

'स्त्री को संसार में, कहते व्यर्थ अशक्त।
आदिशक्ति के सम यहां, दूजा कौन सशक्त।।'

गुलाबी नगर के लिए 'मेगा गिफ्ट' 13,600 करोड़ से दौड़ेगी मेट्रो फेज-2

द्रव्यवती पर बनेगी 36 किमी. लंबी एलिवेटेड रोड

जयपुर (विशेष संवाददाता)। गुलाबी नगरी के विकास को नई ऊंचाई देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा में घोषणाओं का 'पिटारा' खोल दिया है। बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने जयपुर के बुनियादी ढांचे, यातायात, कौशल विकास और पत्रकारों के कल्याण से जुड़ी चार बड़ी सौगातों का ऐलान किया। इन योजनाओं से न केवल जयपुर की ट्रैफिक समस्या का स्थाई समाधान होगा, बल्कि शहर ग्लोबल मैप पर एक नई पहचान बनाएगा।

1. **जयपुर मेट्रो फेज-2 :** जयपुर वासियों का बरसों पुराना इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने मेट्रो के दूसरे चरण को हरी झंडी दे दी है।
   प्रोजेक्ट की लागत: 13,600 करोड़ रुपए।
   विस्तार: यह फेज लगभग 42.80 किलोमीटर लंबा होगा, जो शहर के उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम कोनों को जोड़ेगा।
   प्रभाव: निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी और प्रदूषण स्तर में भारी गिरावट आएगी।
2. **द्रव्यवती नदी पर 36 किमी. लंबी एलिवेटेड रोड :** शहर के ट्रैफिक को 'सिग्नल फ्री' बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने एक मास्टरस्ट्रोक चला है। द्रव्यवती नदी के ऊपर 36 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड बनाई जाएगी।
   कनेक्टिविटी: यह रोड शहर के एक छोर को दूसरे छोर से जोड़ेगी, जिससे घंटों का सफर मिनटों में तय होगा।
   डीपीआर के निर्देश : मुख्यमंत्री ने इस विशाल प्रोजेक्ट की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तत्काल तैयार करने के आदेश दिए हैं।
3. **ग्लोबल स्किल सेंटर :** राजस्थान के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए जयपुर में 'अटल बिहारी वाजपेयी ग्लोबल सेंटर फॉर एडवांस्ड स्किलिंग' की स्थापना होगी।
   बजट: 450 करोड़।
   उद्देश्य: यहां रोबोटिक्स, ढ्ढ और अत्याधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि प्रदेश के युवाओं को ग्लोबल मार्केट में हाई-पेड नौकरियां मिल सकें।
4. **पत्रकारों के लिए आवासीय योजना :** लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के लिए विशेष आवासीय योजना की घोषणा की है।
   क्रियान्वयन : राजस्थान आवासन मंडल जयपुर में इस योजना को धरातल पर उतारेगा।
   महत्व : लंबे समय से पत्रकार संगठन एक व्यवस्थित और सुरक्षित आवासीय कॉलोनी की मांग कर रहे थे, जिसे अब मंजूरी मिल गई है।

'काम ज्यादा-समय आधा' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हम : सीएम

जयपुर (विशेष संवाददाता)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपनी सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में प्रदेश की जनता के सामने अपनी कार्यशैली का रिपोर्ट कार्ड पेश किया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी सरकार का मूल मंत्र 'पक्के इरादे और ठोस नीतियां' हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी टीम 'काम ज्यादा और समय आधा' की रणनीति पर काम कर रही है, ताकि राजस्थान को विकसित राज्यों की श्रेणी में अग्रणी बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने पिछले दो वर्षों की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने केवल घोषणाएं नहीं कीं, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारने के लिए ठोस नीतियां बनाई हैं।

मेट्रो और सड़क विस्तार

जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण और प्रदेश भर में एलिवेटेड रोड व हाईवे का जाल बिछाने का काम तेजी से जारी है।

दो साल का 'इम्पैक्ट' कार्ड

क्षेत्र	मुख्य उपलब्धि
कृषि	किसान सम्मान निधि में बढ़ोतरी और बिजली बिल में बड़ी राहत।
युवा	पारदर्शी भर्ती परीक्षाएं और स्किल डेवलपमेंट सेंटर्स की स्थापना।
सुरक्षा	महिलाओं के लिए कालिका यूनिट का विस्तार और एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स।
स्वास्थ्य	मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के जरिए ?25 लाख तक का निशुल्क इलाज।

ईआरसीपी : दशकों से अटकी पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को धरातल पर लाना सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि रही।

पेपर लीक पर प्रहार : एसआईटी का गठन कर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई की गई।

लाडो प्रोत्साहन और लखपति दीदी : महिला सशक्तिकरण के लिए केंद्र और राज्य की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया।

'काम ज्यादा-समय आधा' का फॉर्मूला : सीएम ने प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि फाइलें अब दफ्तरों में नहीं रुकेंगी।

पक्के इरादे : सरकार के दो साल के सफर में कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़े फैसलों को आधार बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ष्टक्च) की सक्रियता से अपराधियों और भ्रष्ट अधिकारियों में खौफ पैदा हुआ है।

भविष्य का रोडमैप: मुख्यमंत्री ने आगामी वर्षों के लिए अपना विजन साझा करते हुए कहा कि आने वाला समय राजस्थान के बुनियादी ढांचे और निवेश का होगा।

नाम बदलने की सियासत

माउंट आबू अब 'आबू राज' कामां बना 'कामवन'

राजस्थान में 'सांस्कृतिक पुनरुत्थान' या चुनावी दांव?

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने प्रदेश के नक्शे और सरकारी योजनाओं की पहचान बदलने का एक बड़ा और दूरगामी फैसला लिया है। सरकार ने तीन प्रमुख शहरों के नाम बदलने के साथ-साथ पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के 'ब्रांड' भी बदल दिए हैं। जहां भाजपा इसे 'विरासत का सम्मान' बता रही है, वहीं विपक्ष इसे असल मुद्दों से ध्यान भटकाने वाली 'प्रतीकात्मक राजनीति' करार दे रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा में ऐतिहासिक संदर्भों और स्थानीय जनभावनाओं का हवाला देते हुए तीन शहरों के नाम बदलने की घोषणा की है।

माउंट आबू 'आबू राज' : हिल स्टेशन की पहचान अब राजस्थानी गौरव से जुड़ेगी।

जहाजपुर 'यज्ञपुर' : भीलवाड़ा के इस कस्बे को उसका प्राचीन पौराणिक नाम वापस दिया गया है।

राजधानी में पटेल-शेखावत के नाम की गूंज

जयपुर की सड़कों पर भी पहचान बदलने की बयार तेज है। 'भारत जोड़ो उच्च स्तरीय सेतु' का नाम अब 'सरदार वल्लभभाई पटेल' के नाम पर होगा। वहीं, सेंट्रल पार्क और टोंक रोड को पूर्व उपराष्ट्रपति भैरो सिंह शेखावत की स्मृति से जोड़ा गया है।

कामां 'कामवन' : ब्रज क्षेत्र के इस ऐतिहासिक स्थान को अब उसके मूल नाम से जाना जाएगा।

अजमेर में प्रधानमंत्री मोदी की मेगा रैली के ठीक बाद लिए गए इन फैसलों को एक 'चुनावी स्ट्राइक' माना जा रहा है।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद : भाजपा अपने कोर वोट बैंक को यह संदेश देना चाहती है कि वह मुगलकालीन या गुलामी के प्रतीकों को हटाकर भारतीय संस्कृति को पुनर्जीवित कर रही है।

विपक्ष का प्रहार : कांग्रेस का तर्क है कि नाम बदलने से बेरोजगारी या महंगाई खत्म नहीं होती। कागजों, मुहरों और बोर्डों को बदलने में जनता की गाढ़ी कमाई के करोड़ों रुपये खर्च होंगे।

योजनाओं की 'डी-ब्रांडिंग'

गांधी परिवार के नाम हटे सत्ता परिवर्तन के साथ ही गहलोत सरकार की प्रमुख योजनाओं के नाम बदलकर उन्हें नया स्वरूप दिया गया है। जानकारों का मानना है कि यह कदम 'गांधी परिवार' के प्रभाव को कम करने की रणनीति का हिस्सा है।

पुरानी योजना (गहलोत सरकार)	नया नाम (भजनलाल सरकार)
इंदिरा रसोई योजना	श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना
चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना	मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना
राजीव गांधी शैक्षणिक उत्कृष्टता छात्रवृत्ति	मुख्यमंत्री उत्कृष्टता छात्रवृत्ति योजना
राजीव गांधी खेल प्रतियोगिता	मुख्यमंत्री ग्रामीण एवं शहरी खेल प्रतियोगिता

बोले-मोदी की गारंटी का गुब्बारा फूटा प्रदेश में बढ़ा आर्थिक और सुरक्षा संकट

सदन में गरजे जूली : 'आंकड़ों के जाल' में सरकार को घेरा

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान विधानसभा में बजट विनियोग विधेयक 2026 पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने करीब एक घंटे के अपने आक्रामक संबोधन में भजनलाल सरकार के 'विकास और सुशासन' के दावों की धज्जियां उड़ा दीं। जूली ने तथ्यों के साथ सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री की उन गारंटियों को ही दरकिनार कर दिया है, जिनके दम पर भाजपा सत्ता में आई थी।

गारंटी बनाम हकीकत : टीकाराम जूली ने सदन में याद दिलाया कि चुनाव के दौरान पीएम मोदी ने योजनाओं को बंद न करने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आते ही सरकार ने 'यू-टर्न' ले लिया।

स्वास्थ्य का अधिकार : इसे अनावश्यक बताकर जनता को मुफ्त इलाज के कानूनी हक से वंचित किया गया।

गिग वर्कर्स एक्ट : डिलीवरी पार्टनर्स के हितों की रक्षा करने वाला कानून ठंडे बस्ते में है।

कल्याणकारी योजनाएं : अन्नपूर्णा राशन किट और महिलाओं के लिए स्मार्टफोन योजना पूरी तरह बंद कर दी गई।

छात्रवृत्ति में कटौती : राजीव गांधी स्कॉलरशिप के लाभार्थियों की संख्या 500 से घटाकर 150 कर दी गई।

महंगाई और अर्थव्यवस्था पर मुख्यमंत्री द्वारा पेश किए गए आर्थिक आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए जूली ने कहा कि मुख्यमंत्री राजस्थान की महंगाई दर 0.81% बता रहे हैं, जबकि आरबीआई का लक्ष्य ही 4% है। यह जादुई आंकड़ा सरकार लाई कहां से?' उन्होंने कहा कि भले ही भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था हो, लेकिन प्रति व्यक्ति आय के मामले में हम 120वें स्थान पर पिछड़े हुए हैं।

बेटियों की चीख और कानून-व्यवस्था : अपराध के आंकड़ों पर सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए जूली ने कहा कि राजस्थान में हर 14 मिनट में महिला अत्याचार का मामला दर्ज हो रहा है। उन्होंने पिछले दो साल का ब्यौरा दिया।

बलात्कार : 11,779 मामले (औसत 15 प्रतिदिन)।

हत्याएं: 2,833 मामले।

पेपर लीक

भर्तियों में घोटाले और ओएमआर विवाद पर जूली ने कहा कि अपराधियों को क्लीन चिट देना युवाओं के साथ धोखा है। उन्होंने मांग की कि केवल 2023 तक नहीं, बल्कि 2015 से 2026 तक की सभी भर्तियों की सीबीआई जांच होनी चाहिए।

सियासी प्रहार

जूली ने सरकार की 'क्रेडिट पॉलिटिक्स' पर शायराना अंदाज में तंज कसते हुए कहा कि 'महाराज ने 2 साल में 5 साल का काम नहीं किया, बल्कि पांच साल के काम पर दो साल का नाम लिख दिया।' अंत में उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि मुख्यमंत्री ने अपनी कार्यशैली नहीं बदली, तो जनता 'चश्मा' बदलेगी और फिर सरकार को अपनी जगह नजर नहीं आएगी।

सीएम भजनलाल का बड़ा तोहफा : मंडी शुल्क और आड़त में भारी कटौती

हाड़ौती के धनिये की महकेगी खुशबू

जयपुर (विशेष संवाददाता)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने होली के पावन पर्व पर प्रदेश के धनिया उत्पादक किसानों और व्यापारियों को बड़ी सौगात दी है। शुक्रवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री ने हाड़ौती क्षेत्र के मुख्य नकद उत्पाद 'धनिये' के व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए टैक्स और आड़त की दरों में ऐतिहासिक कटौती की घोषणा की। इस निर्णय के बाद कोटा संभाग के कृषि मंडियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

व्यापारियों का तर्क : अब तक गुजरात और मध्य प्रदेश में टैक्स कम होने के कारण हाड़ौती का धनिया वहां की मंडियों में बिकने जा रहा था। नई दरें लागू होने से अब राजस्थान का धनिया स्थानीय मंडियों में ही बिकेगा, जिससे राजस्व और व्यापार दोनों बढ़ेंगे।

राजस्थान का 'धनिया हब' : उद्यान विभाग के आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान के कुल धनिया उत्पादन में अकेले कोटा संभाग की हिस्सेदारी 95% है।

मुख्यमंत्री ने मार्केटिंग कॉस्ट को कम करने और मार्केट लिंकेज बढ़ाने के उद्देश्य से दरों में निम्नलिखित बदलाव किए हैं।

शुल्क का प्रकार	पुरानी दर	नई दर (घोषणा)
मंडी शुल्क	1.60%	0.50%
आड़त की दर	2.25%	1.00%

विशेष गुण : यहां के धनिये के दाने का वजन भले ही कम हो, लेकिन इसकी सुगंध और तासीर बेजोड़ है। ऐसी गुणवत्ता गुजरात या अन्य राज्यों के धनिये में नहीं मिलती।

रोजगार की उम्मीद : टैक्स कम होने से धनिया प्रोसेसिंग की नई इकाइयां स्थापित होने का रास्ता साफ होगा, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा।

क्यों जरूरी था यह फैसला?

- **घटता रकबा:** प्रशासनिक सुस्ती और ऊंचे टैक्स के कारण साल 2005 में बना 'कृषि निर्यात जोन' प्रभावी नहीं हो सका था, जिससे किसान धनिये की खेती से किनारा करने लगे थे।
- **प्रतिस्पर्धा :** पड़ोसी राज्यों की तुलना में हाड़ौती का व्यापारी पिछड़ रहा था।
- **निर्यात की संभावना:** हाड़ौती का धनिया अपनी खुशबू के कारण विदेशों में भी मांग में रहता है, अब कम लागत से निर्यात बढ़ेगा।

'यह निर्णय हाड़ौती के किसानों के लिए संजीवनी साबित होगा। मंडी शुल्क और आड़त कम होने से किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा और व्यापारी भी अब खुलकर निवेश कर सकेंगे।'

— स्थानीय व्यापार प्रतिनिधि, कोटा मंडी

राजस्थान में 'स्मार्ट पुलिसिंग' का नया रोडमैप | मैस भत्ते में बढ़ोतरी और 1250 नए वाहन

7000 पुलिसकर्मियों की पदोन्नति का रास्ता हुआ साफ

जयपुर (विशेष संवाददाता)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा में वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान राजस्थान पुलिस के सुदृढ़ीकरण और पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए घोषणाओं का पिटारा खोल दिया है। सरकार ने 'स्मार्ट और सशक्त पुलिसिंग' का मंत्र देते हुए न केवल पुलिस बेड़े में संसाधनों के विस्तार का ऐलान किया है, बल्कि वर्षों से पदोन्नति का इंतजार कर रहे कार्मिकों को भी बड़ी राहत दी है।

कैडर पुनर्गठन : तकनीकी संवर्ग में वर्ष 1998 से कार्यरत कॉन्स्टेबलों के लिए मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक निर्णय लिया है। पदोन्नति के सीमित अवसरों के कारण व्याप्त असंतोष को दूर करने के लिए कैडर पुनर्गठन किया जाएगा। इससे 7,000 से अधिक तकनीकी संवर्ग के पुलिसकर्मियों को पदोन्नति के नए अवसर मिलेंगे, जिससे विभाग की कार्यक्षमता में इजाफा होगा।

डायल 112 का बेड़ा होगा मजबूत : 9 मिनट से भी कम होगा 'रिस्पांस टाइम' प्रदेश में आपातकालीन स्थिति में पुलिस की पहुंच को और तेज करने के लिए सरकार ने बड़ा निवेश करने का फैसला किया है। थानों और गश्ती दलों को डायल 112/100 प्रणाली से जोड़ते हुए 1,250 नए वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे। फील्ड मॉनिटरिंग के लिए 2,500 अतिरिक्त कार्मिकों की तैनाती होगी।

घोषणाओं की 'हाईलाइट्स'

क्षेत्र	मुख्य घोषणा
पदोन्नति	7,000 तकनीकी कर्मियों का कैडर पुनर्गठन
संसाधन	1,250 नए वाहन और 2,500 नए पद
महिला सुरक्षा	कालिका यूनिट की संख्या अब 600 होगी
सुरक्षा बल	राज्य विशेष पुलिस बल का गठन
कल्याण	मैस भत्ते में 150 रु. की प्रतिमाह बढ़ोतरी

लक्ष्य : वर्तमान में पुलिस का रिस्पांस समय 9.25 मिनट है, जिसे और कम कर जनता को त्वरित सहायता पहुंचाई जाएगी। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों पर लगाम लगाने के लिए मुख्यमंत्री ने कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की संख्या 500 से बढ़ाकर 600 करने की घोषणा की है।

सीआईएसएफ की तर्ज पर बनेगा 'राज्य विशेष पुलिस बल' : महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए सरकार ने एक समर्पित बल के गठन का प्रस्ताव रखा है। यह 'राज्य विशेष पुलिस बल' उच्च न्यायालय, विधानसभा, मुख्यमंत्री आवास, हवाई अड्डों और बड़ी औद्योगिक इकाइयों की सुरक्षा संभालेगा।

पुलिस थानों का जाल और मैस भत्ते में वृद्धि

मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों के भोजन भत्ते (मैस एलाउंस) को 2,700 रुपये से बढ़ाकर 2,850 रुपये प्रतिमाह करने का ऐलान किया है। इसके साथ ही प्रशासनिक ढांचे में निम्नलिखित बदलाव किए गए हैं।

नए कार्यालय	लूणी (जोधपुर) और पीसांगन (अजमेर) में नए पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय खुलेंगे।
क्रमोन्नयन	तेल फैक्ट्री (बारां), बाछडाऊ (चौहटन), महावीर नगर (बाड़मेर) और नाडोल (जोधपुर) पुलिस चौकियों को अब पुलिस थानों में बदला जाएगा।
नया थाना	पिनान (रैणी-अलवर) में नया पुलिस थाना स्थापित होगा।

समाचार पत्र 'द पब्लिक हब' के समस्त संपादकीय एवं प्रकाशकीय विषयों पर स्वायत अधिकार सहित प्रकाशक, स्वामी व संपादकः दीपक गोस्वामी,
ए-101 यूनिक टावर, प्रताप नगर, जयपुर-302017, मो. 9828528666 मुद्रकः अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., जयपुर info@thepublichub.in, digital@thepublichub.in,
*पीआरबी एक्ट के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेदार।

पुराने ज़ख्म, नई लड़ाई : सेमीफाइनल में टीम इंडिया का मुकाबला इंग्लैंड से

जो टीम जीती पहुंचेगी फाइनल में

मुंबई (एजेंसी)। अगर क्रिकेट कोई धर्म होता और मैदान यह अक्सर धर्म का दिखावा करता है - तो गुरुवार शाम वानखेड़े स्टेडियम में एक बड़ी भीड़ होगी। मौका है टी 20 वर्ल्ड कप के सेमीफ़ाइनल में भारत बनाम इंग्लैंड का मैच। माहौल उम्मीद से भरा, बेचैन और थोड़ा लड़ने वाला है। अंग्रेज कभी जहाजों में हमारे किनारों पर आते थे, आज वे स्प्रेडशीट, वीडियो एनालिस्ट और जलाने की लकड़ी काटने लायक मोटे बल्लों के साथ आते हैं। 2022 में, उन्होंने सेमीफाइनल में भारत को इतनी अच्छी तरह से हराया कि यह एक ब्यूरोक्रेटिक एक्सरसाइज़ जैसा लगा। भारत ने 2024 में भी उतने ही अधिकार से बदला लिया। अब बहीखाता एक-एक है, और दोनों पक्ष आखिरी एंट्री मोटी स्याही से लिखना चाहेंगे। भारत की ताकत सिर्फ उसके सितारों में ही नहीं, बल्कि उसकी वैरायटी में भी है। संजू सैमसन, जो नाबाद 97 रन बनाकर अभी-अभी लौटे हैं, ने सिलेक्टर्स और शक करने वालों, दोनों को याद दिलाया है कि शान और हिम्मत एक साथ हो सकती है। वह अब सिर्फ़ कैमियो आर्टिस्ट नहीं रहे; वह कहानी का सेंटर बन गए हैं। सूर्यकुमार यादव, कप्तान और क्राफ्ट्समैन, ऐसे शॉट खेलते हैं जो कोच किए हुए नहीं, बल्कि स्केच किए हुए लगते हैं। जब वह रिदम में होते हैं, तो अच्छी बॉलिंग को भी लोगों की शिकायत बना सकते हैं। हार्दिक पंड्या स्वैग देते हैं वह क्रिकेट जो मुश्किल हालात से निपट सकता है और साथ ही, ऐसे भारी ओवर भी फेंक सकता है जिनके लिए इज्जत चाहिए। उनका रोल स्टैटिस्टिक्स से कम और प्रेज़ेंस से ज़्यादा जुड़ा है। फिर तिलक वर्मा हैं, जो युवा हैं लेकिन बेफिक्र हैं, जो ऐसे बैटिंग करते हैं जैसे उन्हें भविष्य के बारे में बताया गया हो और उन्हें यह ठीक लगता है। ईशान किशन टॉप ऑर्डर में बेसब्री लाते हैं, कभी लापरवाह, तो कभी जोश भरने वाला। मुंबई के लोकल बेटे शिवम दुबे इन बाउंड्रीज़ को एक पुराने दोस्त की तरह जानते हैं; उनसे उम्मीद करें कि वह शॉर्ट गेंदों को कम तमीज़ से खेलेंगे।

खेल संक्षिप्त

शिखर केस में बड़ा फैसला : धवन को पूर्व पत्नी को 5.7 करोड़ रुपए लौटाने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन की पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी को 5.7 करोड़ रुपए लौटाने होंगे। धवन ने यह पैसा आयशा को तलाक के बाद सेटलमेंट के रूप में दिया था, लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट का मानना है कि धवन की ओर से प्रॉपर्टी सेटलमेंट के रूप में दी गई यह रकम भारतीय कानून के हिसाब से सही नहीं है। लिहाजा ऑस्ट्रेलिया की फैमिली कोर्ट का फैसला भारत पर लागू नहीं होगा। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली की फैमिली कोर्ट के जज देवेंद्र कुमार गर्ग ने अपने आदेश में कहा है कि आयशा ऑस्ट्रेलिया की अदालत के फैसले के तहत शिखर धवन से 16.9 करोड़ रुपए की डिमांड नहीं कर सकती हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, भारतीय फैमिली लॉ एक्ट 1975 के तहत प्रॉपर्टी सेटलमेंट का नियम भारतीय मैट्रिमोनियल लॉ और हिंदू मैरिज एक्ट 1955 के साथ ही मेल खाता है। लिहाजा आयशा ने प्रॉपर्टी सेटलमेंट नियम के तहत जो 5.7 करोड़ की रकम ली है, उसे शिखर धवन को लौटाना होगा।

मिशेल को जनवरी का आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार

दुबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज डेरिल मिशेल ने जनवरी 2026 के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार जीता है। उन्होंने लगातार दो शतक लगाकर न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में जीत दिलाई थी। न्यूजीलैंड के मिशेल ने भारत के टी-20 कैप्टन सूर्यकुमार यादव और इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट को पीछे छोड़कर यह पुरस्कार जीता। जनवरी में भारत में तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में, न्यूजीलैंड ने 0-1 से पिछड़ने के बाद 2-1 से जीत हासिल की। मिशेल ने दूसरे मैच में नाबाद 131 रन और तीसरे मैच में 137 रन बनाकर अपनी टीम को जिताने वाले स्कोर तक पहुंचाया।

अफगान के मुख्य कोच बने रिचर्ड पाइबस

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगान ने इंग्लैंड में जन्मे रिचर्ड पाइबस को अपनी राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। वह सभी फॉर्मेट में टीम की कमान संभालेंगे और अगले महीने यूएई में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीमित ओवर सीरीज से पहले टीम से जुड़ेंगे। पाइबस ने जोनाथन ट्रॉट की जगह ली है, जिन्होंने टी20 विश्व कप अभियान के समापन के बाद अपना तीन साल के कार्यकाल को पूरा कर पद छोड़ा। पाइबस का खुद का खेल करियर चोटों की वजह से छोटा रह गया था। उन्होंने 1986 में केवल एक लिस्ट ए मैच खेला। हालांकि कोच के रूप में उन्होंने दुनिया भर में सफलता हासिल की। वह 1999 से 2003 तक पाकिस्तान के कोच रहे, जिसमें 1999 वनडे विश्व कप के फ़ाइनल तक की यात्रा शामिल थी।

जम्मू-कश्मीर ने रचा इतिहास : कर्नाटक के साथ ड्रा खेल, पहली बार बना रणजी चैंपियन

हुबली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की टीम ने शनिवार को नया इतिहास रच दिया। जम्मू कश्मीर ने कर्नाटक के साथ खिताबी मुकाबला पांचवें दिन शनिवार को ड्रा होने के साथ ही नए रणजी चैंपियन बनने का गौरव हासिल कर लिया। जम्मू-कश्मीर के लिए यह उपलब्धि और भी शानदार रही, क्योंकि उसके राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला यह ऐतिहासिक क्षण देखने के लिए स्टेडियम में मौजूद थे।

जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा ने जैसे ही अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 342 रन पर घोषित की उसके खिलाड़ी मैदान पर जश्न मनाने लगे। स्थानीय समयानुसार दोपहर के 2.10 बज चुके थे। दोनों कप्तानों ने हाथ मिलाने का फैसला किया, जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर खिताब अपने नाम किया। जम्मू-कश्मीर को यह नामुकिन जीत हासिल करने में 67 साल लग गए, लेकिन आखिर यह संभव हो गया। अपना पहला फाइनल खेलना और वह भी आठ बार के चैंपियन कर्नाटक के खिलाफ बहुत बड़ी बात थी, लेकिन टीम ने बल्ले और गेंद से दबदबा बनाया और कर्नाटक को रोक दिया। शुभम पुंडीर के शतक (121) और आकिब नबी के पांच विकेटों ने कर्नाटक को बैकफुट पर धकेल दिया। जम्मू-कश्मीर की दूसरी पारी में कामरान इकबाल नाबाद 160 और साहिल लूथरा ने नाबाद 101 रन बनाए।

वॉकिंग क्रिकेट, खिलाड़ियों को मिल रहा 'बैजबॉल' का मजा

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने एक बार 'बैजबॉल' को परिभाषित करते हुए कहा था कि यह खेल को वैसे खेलने की कोशिश है, जैसा हमने बचपन में कल्पना की थी- रोमांचक, तेज और मजेदार। दिलचस्प बात यह है कि इस सोच की सबसे सजीव और भावुक झलक अब इंग्लैंड के लीजर सेंटरों और खेल के मैदानों पर दिख रही है, जहां 50 से 87 साल तक के लोग 'वॉकिंग क्रिकेट' के जरिए खेल का नया आनंद ले रहे हैं। केंट क्रिकेट कम्युनिटी ट्रस्ट की प्रोजेक्ट ऑफिसर एमी इलिज के अनुसार, हर काउंटी में इसकी टीमें फल-फूल रही हैं। लॉर्ड्स के इंडोर स्कूल में पहला इंटर-काउंटी वॉकिंग क्रिकेट फेस्टिवल आयोजित हुआ, जिसने इसकी बढ़ती लोकप्रियता पर मुहर लगा दी।

अल्काराज, सिनर-2026 लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ़ द ईयर के लिए नामित

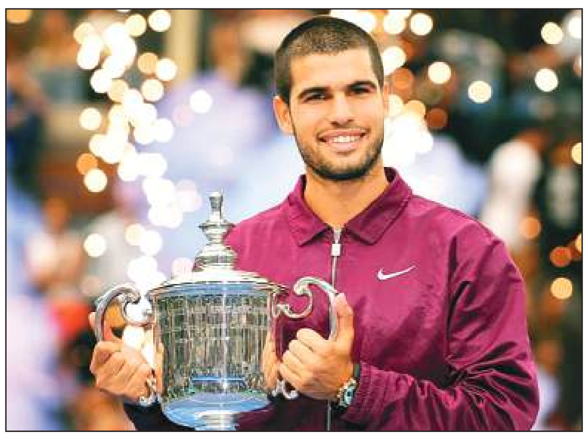

लुसाने (एजेंसी)। कार्लोस अल्काराज़ और जैनिक सिनर को वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ़ द ईयर कैटेगरी में 2026 लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स के लिए नामित किया गया है, जिसमें नेक्स्ट जेन एटीपी स्टार जोआओ फोंसेका को वर्ल्ड ब्रेकथ्रू ऑफ द ईयर के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।

ये नॉमिनेशन लॉरियस अवॉर्ड्स में पुरुषों के टेनिस के हाल के मजबूत प्रदर्शन को जारी रखते हैं। वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर जीतने वाले सबसे नए पुरुष खिलाड़ी नोवाक जोकोविच थे, जिन्होंने 2024 में यह सम्मान जीता था। अल्काराज और सिनर दोनों पहली बार यह अवॉर्ड जीतने की कोशिश कर रहे हैं। अल्काराज़ पहले से ही लॉरियस विनर हैं, जिन्होंने यूएस ओपन में अपना पहला मेजर टाइटल जीतने के बाद 2023 में ब्रेकथ्रू ऑफ द ईयर अवार्ड जीता और एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 पर पहुंचे। तब से, स्पैनियार्ड ने मेजर और एटीपी मास्टर्स 1000 लेवल पर अपनी ट्रॉफियों की संख्या में इजाफा करना जारी रखा है। 2025 में, स्पैनियार्ड ने टूर में सबसे ज्यादा आठ टाइटल जीते, जिसमें रौलां गैरो और यूएस ओपन के मेजर शामिल हैं। सिनर, जो अपना पहला लॉरियस अवार्ड भी चाहते हैं, ने 2025 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन जीता और ट्यूरिन में अपने घरेलू मैदान पर लगातार दूसरी बार निट्टो एटीपी फाइनल्स का ताज जीता।

मीनाक्षी, नेहा ने मुहामेट मालो कुश्ती टूर्नामेंट में जीते रजत पदक

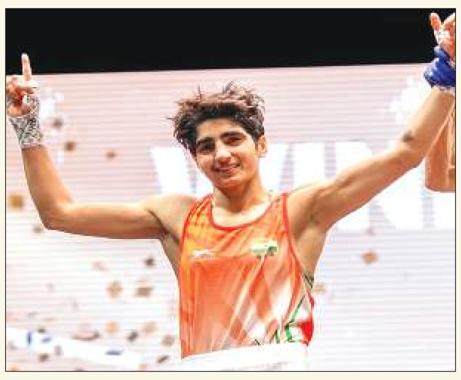

तिराना/अल्बानिया (एजेंसी)। भारतीय पहलवान मीनाक्षी और नेहा सांगवान ने मुहामेट मालो 2026 कुश्ती टूर्नामेंट में महिलाओं की 53 किग्रा और 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कैटेगरी में रजत पदक जीते। शनिवार को खेले गये मुकाबले में महिलाओं के 53किग्रा वर्ग में, जो नॉर्डिक सिस्टम के तहत लड़ा गया था, मीनाक्षी ने न्यूट्रल एथलीट नतालिया मालिशेवा, जो 2025 यूरोपियन चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। 25 साल की भारतीय पहलवान ने मालिशेवा के खिलाफ 5-0 की हार के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, लेकिन दूसरे राउंड में पोलैंड की रोक्साना मार्टा जसीना पर 7-0 से जीत के साथ जबरदस्त वापसी की। इसके बाद मीनाक्षी ने कजाकिस्तान की अयाजान मार्कोशेवा को पिन किया और इसके बाद तुर्किये की जेनेप येतगिल, जो तीन बार की यूरोपियन चैंपियनशिप की पदक विजेता पर 2-1 से जीत हासिल की। इस बीच, 18 साल की नेहा सांगवान को फाइनल में यूक्रेन की दो बार की अंडर 23 वर्ल्ड चैंपियन सोलोमिया विनीक से 8-7 से हार का सामना करते हुए रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

ईशान टी-20 बैटर्स की रैंकिंग में नंबर-5 पर खिसके

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी की ताजा टी-20 रैंकिंग में भारतीय ओपनर ईशान किशन 3 स्थान की छलांग लगाकर 5वें नंबर पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह ने 7 स्थान का उछाल लेते हुए 8वां स्थान हासिल किया है। आईसीसी ने बुधवार को टी-20 इंटरनेशनल खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की। भारतीय ओपनर ईशान किशन को शानदार प्रदर्शन का फायदा मिला है। वे 742 रेटिंग अंक के साथ 8वें से 5वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

तिलक ने ब्रैड इवांस की बहन को मैसेज भेजा

कहा-मैं जिम्बाब्वे आऊंगा तो तुमसे मिलूंगा

आईसीसी ने वीडियो किया शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मैच के बाद मैदान से एक दिल छू लेने वाला पल सामने आया। आईसीसी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्रैड इवांस ने खुलासा किया कि उनकी बहन रेबेका भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा की बड़ी फैन हैं।

ब्रैड ने तिलक से स्पेशल वीडियो रिकॉर्ड कराया : ब्रैड ने तिलक से अपनी बहन के लिए एक स्पेशल वीडियो मैसेज रिकॉर्ड करने की गुजारिश की। तिलक ने बिना किसी हिचकिचाहट के उनकी यह इच्छा पूरी की और एक प्यारा सा मैसेज रिकॉर्ड किया।

तिलक ने कहा- मैं जिम्बाब्वे आऊंगा तो तुमसे मिलूंगा : वीडियो में तिलक ने कहा, 'हाय रेबेका, मेरी बड़ी फैन होने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। उम्मीद है जब मैं जिम्बाब्वे आऊंगा तो तुमसे मिलूंगा। और तुम्हारा भाई कमाल का है, उसने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। जल्द ही मिलते हैं, शुक्रिया।'

सेमीफाइनल-फाइनल की टिकट बिक्री शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी मेन्स टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों के टिकट मंगलवार, 24 फरवरी को शाम 7 बजे से बिक्री के लिए उपलब्ध हो गए हैं। टिकट आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होंगी। फैंस 4 मार्च को होने वाले पहले सेमीफाइनल, 5 मार्च को दूसरे सेमीफाइनल और 8 मार्च को खेले जाने वाले फाइनल मैच के लिए टिकट खरीद सकते हैं। सेमीफाइनल 1 के लिए दो शहरों का विकल्प पहले सेमीफाइनल के लिए वेन्यू फिलहाल तय नहीं, वह टीमों के सेमीफाइनल में पहुंचने के आधार पर तय किया जाएगा। यानी यह मैच या तो कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में होगा या कोलकाता के ईडन गार्डन्स में। यह पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन सी टीमें सेमीफाइनल में पहुंचती हैं। वहीं, दूसरा सेमीफाइनल 5 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाना तय है। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 8 मार्च को खेला जाएगा। इसके लिए भी शहर का चुनाव पाकिस्तान की टीम पर निर्भर है। अगर पाकिस्तान फाइनल में पहुंचता है, तो खिताबी मुकाबला कोलंबो में होगा। वहीं, अगर पाकिस्तान फाइनल की रेस से बाहर हो जाता है, तो वर्ल्ड कप का फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। आईसीसी ने उन फैंस के लिए सुरक्षा उपाय भी रखे हैं जो अभी टिकट खरीद रहे हैं। यदि किसी दर्शक ने ऐसे स्थान का टिकट खरीद लिया है, जहां अंतत: पहला सेमीफाइनल या फाइनल नहीं होता है, तो टिकट की पूरी राशि वापस कर दी जाएगी।

टी20 विश्व कप : भारत ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया

होली से पहले संजू ने उड़ाया जीत का रंग भारत सेमीफाइनल में

कोलकाता (एजेंसी)। संजू सैमसन (नाबाद 97) की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने रविवार को टी-20 विश्वकप में सुपर आठ के आखिरी मुकाबले में वेस्टइंडीज को चार गेंदें शेष रहत पांच विकेट से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। संजू सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला इंग्लैंड से होगा।

196 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत के लिए संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 29 रन जोड़े। तीसरे ओवर में अकील हुसैन ने अभिषेक शर्मा (10) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद जेसन होल्डर ने इशान किशन (10) को भी आउटकर पवेलियन भेज दिया। कप्तान सूर्यकुमार यादव (18), तिलक वर्मा 15 गेंदों में (27) और हार्दिक पंड्या 17 रन बनाकरआउट हुये। इस दौरान संजू सैमसन एक छोर थामे तेजी के साथ रन बनाते रहे। भारत ने 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 199 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से अपने नाम करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। संजू सैमसन ने 50 गेंदों में 12 चौके और चार छक्के उड़ाते हुए नाबाद 97 रनों की पारी खेली। शिवम दुबे ने चार गेंदों में नाबाद आठ रन बनाए। इससे पहले आज यहां रॉस्टन चेज (40), जेसन होल्डर (नाबाद 37) और रोवमन पॉवेल (नाबाद 34) की शानदार पारियों के दम पर वेस्टइंडीज ने भारत को जीत के लिए 196 रनों का लक्ष्य दिया।

आज यहां भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी कप्तान शाई होप और रॉस्टन चेज की सलामी जोड़ी ने पहले 68 रन जोड़े। नौवें ओवर में वरूण चक्रवर्ती ने शाई होप को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। शाई होप ने 33 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 32 रन बनाये।

इसके बाद 12वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने शिमरॉन हेटमायर 12 गेंदों में 27 रन को और इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर रॉस्टन चेज को भी अपना शिकार बना लिया। रॉस्टन चेज ने 25 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 40 रनों की पारी खेली। शरफेन रदरफोर्ड 14 रन बनाकर आउट हुए। वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 195 रनों का स्कोर खड़ा किया। रोवमन पॉवेल ने 19 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 34) और जेसन होल्डर ने 22 गेंदों में दो

आम आदमी को झटका : राजस्थान में घर-प्लॉट की रजिस्ट्री हुई महंगी, 50 लाख की प्रॉपर्टी पर देने होंगे 67 हजार रुपये ज्यादा

राजस्थान स्टांप एक्ट-1999 में संशोधन को मंजूरी, 10 लाख से अधिक की संपत्ति पर सरचार्ज 10% से बढ़ाकर हुआ 13%

जयपुर। राजस्थान में अपना घर या जमीन खरीदने का सपना अब और महंगा होने जा रहा है। राज्य सरकार ने राजस्थान स्टांप एक्ट-1999 में महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए रजिस्ट्री शुल्क (रजिस्ट्री चार्ज) में बढ़ोतरी कर दी है।

इस बदलाव के तहत 10 लाख रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियों पर लगने वाले स्टांप ड्यूटी सरचार्ज को 10% से बढ़ाकर 13% कर दिया गया है। इस निर्णय का सीधा असर मध्यम वर्गीय परिवारों की जेब पर पड़ेगा।

प्रमुख बिंदु एक नजर में

विवरण	पुरानी स्थिति	नई स्थिति
सरचार्ज(10 लाख से ऊपर)	10%	13%
50 लाख की रजिस्ट्री पर खच	3.82 लाख	4.49 लाख
अतिरिक्त आर्थिक भार	67,000	(3% की वृद्धि)

कितनी बढ़ेगी आपकी जेब पर मार ?

सरकार द्वारा सरचार्ज में 3% की अतिरिक्त वृद्धि करने से रजिस्ट्री की कुल लागत में बड़ा अंतर देखने को मिलेगा। उदाहरण के तौर पर 50 लाख की संपत्ति पर: पहले जहाँ रजिस्ट्री के लिए लगभग 3.82 लाख रुपये चुकाने पड़ते थे, अब वही रजिस्ट्री 4.49 लाख रुपये की होगी। कुल अंतर खरीदार को अब 67,000 रुपये अतिरिक्त देने होंगे।

महिला और पुरुष खरीदारों के लिए नई दरें

प्रदेश में वर्तमान में पुरुषों और महिलाओं के लिए स्टांप ड्यूटी की दरें अलग-अलग हैं, जिनमें अब सरचार्ज जुड़ने से वृद्धि होगी।

पुरुष खरीदार: औसतन 8.8% स्टांप ड्यूटी (पुराना)।

महिला खरीदार: औसतन 7.5% स्टांप ड्यूटी (पुराना)।

नया नियम: अब इन दोनों श्रेणियों में स्टांप ड्यूटी की कुल राशि पर 3% अतिरिक्त सरचार्ज लागू होगा।

मध्यम वर्ग और होम लोन लेने वालों की बढ़ी चिंता

इस संशोधन से सबसे अधिक प्रभावित मध्यम वर्गीय परिवार होंगे जो जीवनभर की जमा पूँजी से घर खरीदते हैं। प्रॉपर्टी विशेषज्ञों का कहना है कि सरचार्ज बढ़ने से न केवल रजिस्ट्री महंगी होगी, बल्कि जो लोग होम लोन ले रहे हैं, उन्हें स्टांप शुल्क की बढ़ी हुई राशि का इंतजाम भी नकद करना होगा, क्योंकि बैंक अक्सर रजिस्ट्री की पूरी लागत कवर नहीं करते हैं।

प्रभावित वर्ग

मध्यम वर्ग, फ्लैट एवं प्लॉट खरीदार सियासी और आर्थिक गलियारों में चर्चा सरकार के इस कदम को राजस्व बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन रियल एस्टेट सेक्टर में इसे लेकर चिंता जताई जा रही है। जानकारों का मानना है कि इससे संपत्तियों की बिक्री की रफ्तार पर भी असर पड़ सकता है।

फूलों की होली,भक्ति की डोली जयपुर में दिव्य होली महोत्सव सम्पन्न

कृष्ण राधा के प्रेम, सेवा, समर्पण का संगम है होली महोत्सव : महंतश्री

जयपुर (नगर संवाददाता)। शहर के जनता कॉलोनी, आदर्श नगर में श्री जगन्नाथजी मंदिर, सेवा कुंज फाउंडेशन एवं श्री मदन मोहन मंदिर के संयुक्त तत्वावधान में भव्य होली महोत्सव 2026 का आयोजन किया गया। इस दिव्य आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भगवान की भक्ति में सराबोर हो गए। मथुरा-वृंदावन से पधारे कीर्तनकारों ने श्याम प्रभु जी के नेतृत्व में सुमधुर भजनों एवं कीर्तन की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। राधा-कृष्ण की जीवंत झांकी ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। फूलों की होली एवं रंगों की होली में उपस्थित श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर आनंद प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एकता अग्रवाल भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, राहुल द्विवेदी, सुनील ढांड, रोहित सक्सेना, तन्नू बत्रा, राकेश केडावत, बसंत जैन, हेमंत भारद्वाज, मनीष राजपूत, पवन टाक, मेघा शर्मा, ममता शर्मा, अंकुर जोशी जी, कल्पना एवं राकेश उपस्थित रहे।

ज्ञानम फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत दीपक वल्लभ गोस्वामी नें विशेष अतिथि के रूप में इस महोत्सव में उपस्थित रहे, उन्होंने कहा की सनातन संस्कृति के हमारे सभी महोत्सव एक दूसरे को आपसी स्नेह से जोड़ने का कार्य करते हैं, वहीं होली उत्सव कृष्ण राधा के प्रेम, सेवा, समर्पण और संस्कारों का संगम,दिव्य संदेश देती है। सभी भक्तों श्रद्धालुओं के लिए भव्य महाप्रसाद की व्यवस्था की गई थी। इस सफल आयोजन के पीछे कुणाल प्रभुजी, अर्जुन प्रभुजी, राधा रमणप्रभु जी, अर्चना, राहुल प्रभुजी, जतिन प्रभुजी एवं जितेश प्रभु जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अपर्णा वाजपेई जी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया, वहीं सेवा कुंज फाउंडेशन की अध्यक्ष शुभा गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। आयोजकों ने बताया कि आगामी वर्ष यह आयोजन और भी भव्य स्वरूप में आयोजित किया जाएगा।

भरतपुर को करोड़ों की सौगातः मंत्री झाबर सिंह खर्रा करेंगे विकास कार्यों का श्रीगणेश, ड्रेनेज और स्वच्छता की सुधरेगी सूरत

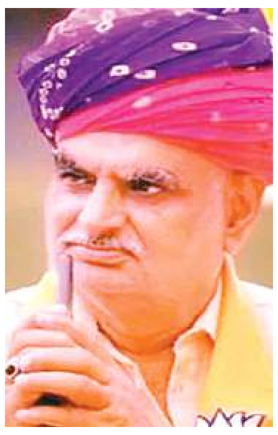

भरतपुर (कार्यालय संवाददाता)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन 'विकसित राजस्थान' की कड़ी में आज रविवार को भरतपुर शहर के विकास को नई रफ्तार मिलने जा रही है।

शहर की बुनियादी सुविधाओं, जल निकासी और स्वच्छता प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा होंगे। नगर निगम परिसर में आयोजित होने वाले इस भव्य समारोह में शहरवासियों को कई महत्वपूर्ण सौगातें दी जाएंगी।

निगम अधिकारियों के अनुसार, इन परियोजनाओं का मुख्य फोकस शहर की ड्रेनेज व्यवस्था को मजबूत करना और नागरिक सेवाओं में पारदर्शिता लाना है। नगर निगम कार्यालय में शुरू होने जा रहा स्मार्ट सेवा केन्द्र 2.0 आमजन के लिए गेम-चेंजर साबित होगा। इसके माध्यम से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, पट्टा संबंधी कार्य और अन्य निगम सेवाओं के लिए लोगों को भटकना नहीं पड़ेगा। डिजिटल तकनीक के समावेश से कार्यों में पारदर्शिता आएगी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा।

शहर के मुख्य मार्गों को मिलेगी राहत हीरादास चौराहा और आरटीओ मोड़ जैसे व्यस्त इलाकों में बरसात के दिनों में होने वाले जल भराव से अब राहत मिलेगी। ओपन और बॉक्स ड्रेन निर्माण से पानी की निकासी सुगम होगी, जिससे सड़कों की उम्र भी बढ़ेगी और यातायात सुचारू रहेगा।

'मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप भरतपुर को एक मॉडल शहर के रूप में विकसित किया जा रहा है।

आज की ये परियोजनाएं दशकों पुरानी जल निकासी की समस्या को हल करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी।'

प्रशासनिक अधिकारी,
नगर निगम भरतपुर

अश्पवेदा अमेजन के साथ घरों तक पहुंचा रहा आयुर्वेदिक सौंदर्य

जयपुर (द पब्लिक हब)। जैसे-जैसे भारत रंगों, उमंग और खुशियों के त्योहार-होली की तैयारी कर रहा है, ग्राहकों की पसंद और व्यवहार में बदलाव साफ दिखने लगता है। मौसम बदलने और नई शुरुआत के इस समय में लोग इस बात को लेकर ज़्यादा सजग हो जाते हैं कि वे क्या इस्तेमाल कर रहे हैं और क्या उपहार में दे रहे हैं। ऐसे त्योहारों के मौके पर, अमेजन इंडिया उभरते हुए भारतीय ब्रांड्स को भरोसा और पहचान दिलाकर देशभर के ग्राहकों तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाता है। ऐसा ही एक ब्रांड है अश्पवेदा, जो राजस्थान की जड़ों से जुड़ा एक प्रीमियम आयुर्वेदिक ब्यूटी और वेलनेस लेबल है।

आज के दौर की एक बड़ी उलझन को समझते हुए, अश्पवेदा ने पारंपरिक आयुर्वेद और हानिकारक केमिकल्स वाले आधुनिक ब्यूटी प्रोडक्ट्स के बीच की दूरी को कम करने का काम किया है। सदियों पुराने आयुर्वेदिक ज्ञान को रोजमर्रा के इस्तेमाल के हिसाब से तैयार करके, यह ब्रांड पारंपरिक समझ को आज के दौर के ग्राहकों के लिए ज़्यादा असरदार और सुलभ बनाता है। भारत के आयुर्वेदिक और ब्यूटी मार्केट में पहले से ही प्रोडक्ट्स की भरमार है, और यहां अपनी अलग पहचान बनाने के लिए सिर्फ अच्छे फॉर्मूले ही काफी नहीं होते। ग्राहकों का भरोसा जीतना, उन्हें सही जानकारी देना और अपने स्थानीय बाजार से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचना नए ब्रांड्स के लिए हमेशा एक चुनौती रहता है। इसके अलावा, लॉजिस्टिक्स और डिलीवरी से जुड़ी सीमाएं भी छोटे बिजनेस की पहुंच को सीमित कर देती हैं, खासकर उन स्टार्टअप्स के लिए जिनके पास बड़ी ऑपरेशनल टीमें नहीं होतीं। शुरुआत से ही डिजिटल रास्ता अपनाने से अश्पवेदा को इन बाधाओं को पार करने में मदद मिली। अमेजन इंडिया के साथ साझेदारी ने ब्रांड को एक ऐसे प्लेटफॉर्म के जरिए देशभर के ग्राहकों तक पहुंच दी, जिस पर क्वॉलिटी और भरोसे के लिए पहले से ही यकीन किया जाता है।

सैमसंग गैलेक्सी एस 26 अब ऑफर्स के साथ प्री-ऑर्डर

गुरुग्राम (एजेंसी)। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने घोषणा की है कि उसकी बहुप्रतीक्षित गैलेक्सी एस 26 सीरीज शुक्रवार से भारत में प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध है। गैलेक्सी एस 26 अल्ट्रा, गैलेक्सी एस 26 + और गैलेक्सी एस 26 अब तक का सबसे आसान और नैचुरल 'एजेंटिक एआई' मोबाइल अनुभव देते हैं। चाहे बात प्लानिंग की हो, जानकारी खोजने की या फिर कंटेंट को कैप्चर और एडिट करने की-

गैलेक्सी एस 26 सीरीज हर काम को इतना आसान बना देती है कि यूजर्स को तकनीक की बारीकियों के बजाय सिर्फ बेहतरीन नतीजों पर ध्यान देना होता है। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ, जेबी पार्क ने कहा, 'गैलेक्सी एस 26 सीरीज को इस तरह बनाया गया है कि यह लोगों की जीवनशैली और काम करने के तरीके को गहराई से समझ सके। मुझे यह बताते हुए भी गर्व हो रहा है कि गैलेक्सी एस 26 सीरीज का निर्माण हमारी नोएडा स्थित फैक्ट्री में किया जाएगा।'

रिलायंस जियो ने प्रदेश में शुरू किया 'एआई-रेडी स्कूल' अभियान

जयपुर (द पब्लिक हब)। रिलायंस जियो ने जियो इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर राजस्थान में 'एआई-रेडी स्कूल' अभियान की शुरुआत की है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य राजस्थान के स्कूलों में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना और छात्रों को भविष्य की तकनीक के लिए तैयार करना है। इस अभियान से अब तक राज्य के 1100 से ज्यादा स्कूल जुड़ चुके हैं। इस पहल के तहत छात्रों और शिक्षकों को चार हफ्तों का एक मुफ्त ऑनलाइन कोर्स कराया जा रहा है। इसमें उन्हें जेमिनी 3, चैटजीपीटी और एडोब एक्सप्रेस जैसे आधुनिक एआई टूल्स का इस्तेमाल करना सिखाया जाएगा। इस कोर्स में छात्रों को एआई के बुनियादी नियम और प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग जैसी नई तकनीकें सिखाई जा रही हैं, ताकि वे आने वाले समय की जरूरतों के लिए तैयार हो सकें। जो स्कूल अपने 100 या उससे ज्यादा छात्रों को यह कोर्स सफलतापूर्वक पूरा करा लेते हैं, उन्हें जियो इंस्टीट्यूट की तरफ से 'एआई-रेडी स्कूल' का सर्टिफिकेट दिया जाएगा। अब तक राजस्थान के 25 से ज्यादा स्कूलों को यह सर्टिफिकेट मिल चुका है।

प्राइवेट जेट अब बिना ब्रोकर 30 सेकेंड में करें बुक

लंदन/न्यूयॉर्क (एजेंसी)। प्राइवेट एविएशन यानी निजी विमानन का क्षेत्र अब डिजिटल क्रांति की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। जो काम पहले घंटों और दिनों की बातचीत के बाद होता था, वह अब स्मार्टफोन के एक क्लिक पर सिमट गया है। फ्लाईहाउस, जेटली और लेवो डॉट एयरो जैसे नए स्टार्टअप के साथ व्हील्स अप और एक्सओ जैसे पुराने खिलाड़ी ऐसे एप लेकर आए हैं, जो महज 30 सेकेंड में प्राइवेट जेट बुक करने का वादा करते हैं। एविएशन एक्सपर्ट के मुताबिक पारंपरिक रूप से प्राइवेट जेट बुक करना एक सिरदर्द भरा काम रहा है। इसमें किसी ब्रोकर को कॉल करना, बजट पर चर्चा करना और फिर ब्रोकर द्वारा एयरक्राफ्ट मालिकों से संपर्क करने की लंबी प्रक्रिया होती थी। इसमें कई बार सही विमान ढूंढने में कई दिन तक लग जाते थे और कीमतें भी पारदर्शी नहीं होती थीं। नए एप्स इस पूरी प्रक्रिया से 'मिडलमैन' यानी ब्रोकर को हटा रहे हैं।

स्विगी डाइनआउट ने एंबेसडर के रूप में भुवन बाम को जोड़ा

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत के अग्रणी ऑन-डिमांड कन्वीनियंस प्लेटफॉर्म स्विगी लिमिटेड ने स्विगी डाइनआउट के लोकप्रिय ग्रेट इंडियन रेस्टोरेंट फेस्टिवल (जीआईआरएफ) 2026 की लॉन्च की घोषणा की है। जीआईआरएफ 2026 के आधिकारिक एंबेसडर के रूप में भुवन बाम को जोड़ा गया है, जिसमें बीबी की वाइन्स की लोकप्रिय दुनिया को भारत के सबसे बड़े डाइनिंग फेस्टिवल से जोड़ा गया है। इस साल के इस बड़े सांस्कृतिक अभियान का नेतृत्व भुवन बाम कर रहे हैं, जो जीआईआरएफ 2026 के केंद्र में बीबी की वाइन्स की आइकॉनिक दुनिया को लेकर आए हैं।

इस अभियान में बबलू, बबली, समीर और भुवन जैसे प्रिय किरदारों को शामिल किया गया है, जो ऐसे अलग-अलग ग्राहकों के रूपों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनसे भारत का हर व्यक्ति आसानी से जुड़ाव महसूस करता है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, स्विगी डाइनआउट के एवीपी मार्केटिंग और रेवेन्यू ध्रुविश ठक्कर ने कहा, कि 'जीआईआरएफ भारत के सबसे बड़े डाइनिंग अभियानों में से एक है। हमारा हर साल इस पर जोर रहता है कि बाहर खाना और अधिक लाभदायक, आसान और नियमित बने, साथ ही हमारे रेस्टोरेंट पार्टनर्स के लिए लगातार अधिक ग्राहकों की आवाजाही और राजस्व वृद्धि सुनिश्चित हो। भुवन और बीबी की वाइन्स की दुनिया के साथ, हम उन किरदारों से जुड़ रहे हैं जिनसे भारत गहराई से जुड़ाव महसूस करता है।

गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए 'नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड' का गठन शीघ्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के लेबर मिनिस्टर आकाश फुंडकर ने विधानसभा में जानकारी दी है कि केंद्र सरकार जल्द ही गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए 'नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड' का गठन करने जा रही है। इस बोर्ड के जरिए डिलीवरी पार्टनर्स और फ्रीलांसर्स को हेल्थ केयर, इंश्योरेंस और फैमिली वेलफेयर जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। अब तक इन वर्कर्स को केवल बिजनेस पार्टनर माना जाता था, लेकिन नए कोड के तहत उन्हें पहली बार औपचारिक 'वर्कर' का दर्जा दिया गया है।

मंत्री आकाश फुंडकर ने प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक हेमंत ओगले और बीजेपी के अतुल भातखलकर के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने सोशल सिक्योरिटी कोड को लागू कर दिया है। यह कोड नवंबर 2025 से प्रभावी हो चुका है।

इसमें पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स की स्थिति को बताया गया है। अब तक इन्हें केवल डिलीवरी-बेस्ड पेमेंट पर काम करने वाले इंडिपेंडेंट

कांट्रेक्टर के रूप में देखा जाता था।

राजस्थान और कर्नाटक के कानून हो जाएंगे खत्म

उफुंडकर ने एक महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड के अस्तित्व में आते ही राज्यों के अपने कानून समाप्त हो जाएंगे। फिलहाल राजस्थान और कर्नाटक जैसे राज्यों ने गिग वर्कर्स के कल्याण के लिए अपने स्तर पर कानून बनाए हैं। केंद्र के निर्देशानुसार, अब सभी राज्यों को केंद्रीय सोशल सिक्योरिटी कोड के प्रावधानों का ही पालन करना होगा।

960 करोड़ की लूट के लिए रचा गया था 'काल्पनिक किरदार'

जेजेएम महाघोटाला : 'विजय शंकर' निकला सिस्टम का 'मिस्टर इंडिया'

एसीबी का चौंकाने वाला खुलासा : ठेकेदारों-इंजीनियरों ने मिलकर गढ़ा फर्जी अफसर, इरकॉन के नाम पर जारी किए जाली सर्टिफिकेट, 10 आरोपी जेल भेजे गए

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान के बहुचर्चित जल जीवन मिशन (JJM) घोटाले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने एक ऐसा पर्दाफाश किया है, जिसने पूरे प्रशासनिक अमले को हिलाकर रख दिया है। जिस 'विजय शंकर' नाम के अधिकारी की तलाश में जांच एजेंसियां महीनों से भटक रही थीं, वह असल में कोई इंसान नहीं, बल्कि जालसाजों द्वारा रचा गया एक 'काल्पनिक किरदार' निकला। इस 'मिस्टर इंडिया' के नाम का सहारा लेकर सिंडिकेट ने जनता की गाढ़ी कमाई के 960 करोड़ रुपये डकार लिए।

फर्जी सर्टिफिकेट और 'विजय शंकर' की एंट्री

घोटाले की पटकथा श्रीगणपति और श्रीश्याम ट्यूबवेल कंपनियों ने लिखी। इन कंपनियों ने करोड़ों के टेंडर हासिल करने के लिए 'इरकॉन इंटरनेशनल' कंपनी के नाम पर फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र लगाए। दावा किया गया कि इन्होंने केरल में बड़े वाटर प्रोजेक्ट्स पूरे किए हैं। इन जाली दस्तावेजों पर 'विजय शंकर' नाम के व्यक्ति के हस्ताक्षर थे।

दलाल का 'डिजिटल जाल': एसीबी की जांच में सामने आया कि दलाल मुकेश पाठक ने 'विजय शंकर' के नाम से एक फर्जी ईमेल आईडी बनाई थी। जब भी जलदाय विभाग से अनुभव प्रमाण पत्र के सत्यापन के लिए मेल जाता, मुकेश खुद इरकॉन का फर्जी अधिकारी बनकर उसका जवाब दे देता था। इरकॉन इंटरनेशनल ने स्पष्ट कर दिया है कि उनके यहां इस नाम का कोई व्यक्ति नहीं है और न ही उन्होंने कोई सर्टिफिकेट जारी किया है।

इंजीनियर का 'केरल ड्रामा'

इस घोटाले को अंजाम देने में विभाग के भीतर बैठे 'विभीषणों' ने भी पूरी मदद की। तत्कालीन अधिशाषी अभियंता विशाल सक्सेना को सत्यापन के लिए केरल भेजा गया था। सक्सेना 4 अप्रैल 2023 को केरल पहुंचे और 9 अप्रैल को लौट आए। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में लिख दिया कि 'विजय शंकर' के हस्ताक्षर वाले सर्टिफिकेट बिल्कुल सही हैं। उन्होंने यह तक नहीं जांचा कि विजय शंकर किस पद पर है।

सुबोध अग्रवाल और पूर्व मंत्री पर शिकंजा

जांच के घेरे में पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल भी हैं, जिन पर आरोप है कि गड़बड़ी की जानकारी होने के बावजूद उन्होंने टेंडर प्रक्रिया नहीं रोकी। इस मामले में ईडी ने पूर्व मंत्री महेश जोशी को अप्रैल 2025 में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। फिलहाल 10 आरोपियों को कोर्ट ने जेल भेज दिया है, जबकि सुबोध अग्रवाल अभी फरार बताए जा रहे हैं।

कैसे खुली परतें?

अगस्त 2023 : जयपुर के होटल पोलो विक्ट्री के पास 2.20 लाख की रिश्वत लेते मायालाल सैनी और जेईएन प्रदीप पकड़े गए।

सर्विलांस का खुलासा : फोन टैपिंग में महेश और मुकेश की बातचीत सामने आई–'विजय शंकर का राज खुला तो बड़ी दिक्कत हो जाएगी।'

इरकॉन का जवाब : सीधे संपर्क करने पर इरकॉन ने 'विजय शंकर' के अस्तित्व से इनकार किया।

कार्रवाई: 17 फरवरी को 10 अफसरों और दलालों की गिरफ्तारी हुई।

मुख्य साक्ष्य : फोन सर्विलांस की वो बातचीत

महेश (ठेकेदार) : 'एसीबी को विजय शंकर के बारे में पता नहीं लगना चाहिए।'

मुकेश (दलाल) : 'चिंता मत करो, मैं इरकॉन ऑफिस जाकर मैटर दबाने की कोशिश कर रहा हूँ, पैसे देने पड़े तो दे देंगे।'

ऐतिहासिक उड़ान : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वदेशी 'प्रचंड' हेलिकॉप्टर से भरी हुंकार

स्वदेशी लड़ाकू हेलिकॉप्टर में को-पायलट बनने वाली देश की पहली राष्ट्रपति बनीं मुर्मू

जैसलमेर (विशेष संवाददाता)। भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को जैसलमेर के रणबांकुरों की धरती पर एक नया स्वर्णिम अध्याय लिख दिया। राष्ट्रपति ने जैसलमेर एयरफोर्स स्टेशन से पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से निर्मित लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर (LCH) 'प्रचंड' में सफल उड़ान भरी। इस उड़ान के साथ ही वे 'प्रचंड' के कॉकपिट में बतौर को-पायलट बैठने वाली देश की पहली राष्ट्रपति बन गई हैं। इससे पहले वे सुखोई-30 MKI और राफेल जैसे घातक लड़ाकू विमानों में भी अपना शौर्य दिखा चुकी हैं।

25 मिनट का सफर : राष्ट्रपति मुर्मू ने 'प्रचंड' में लगभग 25 मिनट तक आसमान की ऊंचाइयों को नापा। इस दौरान उन्होंने भारत-पाकिस्तान सीमा के संवेदनशील क्षेत्रों और पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज का हवाई निरीक्षण किया। उड़ान भरने से पहले वायुसेना के शीर्ष अधिकारियों ने राष्ट्रपति को इस हेलिकॉप्टर की मारक क्षमता, रडार सिस्टम और विषम परिस्थितियों में इसकी कार्यक्षमता के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

वायुसेना प्रमुख ने भेंट की यादगार तस्वीर : इस ऐतिहासिक अवसर को चिरस्थायी बनाने के लिए एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने राष्ट्रपति को एक विशेष स्मृति चिह्न (मोमेंटो) भेंट किया। साथ ही, उन्हें 'प्रचंड' के साथ खिंचवाई गई उनकी पहली तस्वीर भी उपहार स्वरूप दी गई।

कॉकपिट से गूंजा 'जय हिंद'

सुबह करीब 10:15 बजे ग्रुप कैप्टन एन.एस. बहुआ के साथ राष्ट्रपति ने उड़ान भरी। जब हेलिकॉप्टर जैसलमेर के ऐतिहासिक 'सोनार दुर्ग' के ऊपर पहुंचा, तो राष्ट्रपति ने रेडियो के माध्यम से देश को संबोधित किया। उन्होंने भावुक और गर्व भरे शब्दों में कहा कि प्रचंड हेलिकॉप्टर हमारी 'आत्मनिर्भरता' का एक सशक्त और प्रबल प्रतीक है। जैसलमेर के इस गौरवशाली किले के ऊपर से उड़ान भरना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं देश की रक्षा में तैनात वीर सैनिकों को हृदय से धन्यवाद देती हूँ। जय हिंद, जय भारत।'

राजस्थान की आंगनबाड़ियों का होगा कायाकल्प

डिप्टी सीएम दिया ने बजट की घोषणाओं को धरातल पर उतारने के दिए निर्देश

बिजली, पानी और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं पर रहेगा फोकस 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना' में राजस्थान देश के टॉप-3 राज्यों में

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान सरकार आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट संकल्पों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए 'एक्शन मोड' में आ गई है। उप मुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने रविवार, 1 मार्च 2026 को शासन सचिवालय में समेकित बाल विकास सेवाएं की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि आंगनबाड़ियों का सुदृढ़ीकरण और महिलाओं-बच्चों का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश की प्रत्येक आंगनबाड़ी में पेयजल, विद्युत कनेक्शन और क्रियाशील शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा, 'बच्चों और महिलाओं के लिए सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण तैयार करना हमारी जिम्मेदारी है।' दिया कुमारी ने आंगनबाड़ियों के मरम्मत कार्यों को इसी वित्तीय वर्ष में प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए ताकि बजट घोषणाओं का लाभ तुरंत मिल सके।

पीएम मातृ वंदना योजना

समीक्षा के दौरान प्रदेश की एक बड़ी उपलब्धि सामने आई। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 की अवधि में 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना' के क्रियान्वयन में राजस्थान देशभर के शीर्ष तीन राज्यों में शामिल रहा है। इस प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि अब लक्ष्य शत-प्रतिशत पात्र लाभार्थियों को पंजीकृत कर उन्हें लाभान्वित करने का होना चाहिए। 'प्रेरणा अभियान 2.0' की सफलता और डिजिटल लक्ष्य।

बैठक में 'प्रेरणा अभियान 2.0' (19 जनवरी से 19 फरवरी 2026) की सफलता पर भी चर्चा हुई।

बढ़ते लाभार्थी : इस अभियान के माध्यम से 'पोषण ट्रैकर' पर 2 लाख 47 हजार 114 नए लाभार्थी जोड़े गए हैं।

डिजिटल पहचान : उप मुख्यमंत्री ने जून 2026 तक एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके तहत पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत 75% लाभार्थियों की 'आभा आईडी' और 50% की 'अपार आईडी' दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं।

वहीं योजनाओं की मॉनिटरिंग को बेहतर बनाने के लिए दिया कुमारी ने 'एक जिला एक टास्क' मॉडल पर कार्य करने के निर्देश दिए। इससे जिला स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी और स्थानीय समस्याओं का त्वरित समाधान हो सकेगा। इस अहम बैठक में प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा, आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मालावत, उपनिदेशक प्रशिक्षण बनवारी लाल सिनसिनवार, वित्तीय सलाहकार पदम चंद सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

जीटो नेशनल कॉन्क्लेव : सीएम ने नवकार महामंत्र रथों को दिखाई हरी झंडी

जयपुर (विशेष संवाददाता)। मुख्यमंत्री ने कहा है कि समाज और राष्ट्र को उन्नति के पथ पर ले जाने के लिए नैतिक मूल्यों का होना अनिवार्य है। उन्होंने जैन समुदाय की 'ध्यान, तपस्या एवं आत्मचिंतन' की समृद्ध परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि इस दर्शन ने न केवल भारत, बल्कि संपूर्ण विश्व का मार्गदर्शन किया है। मुख्यमंत्री 1 मार्च को जयपुर में आयोजित जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीटो) टाउन रिप्रजेन्टेटिव नेशनल कॉन्क्लेव एवं 'विश्व नवकार महामंत्र दिवस 2.0' कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

मिशन 'संगठनात्मक मजबूती' : भजनलाल शर्मा और राजे सहित 12 दिग्गज 'स्थायी आमंत्रित' सदस्य मनोनीत

154 सदस्यों की सूची में 20 महिलाओं को मिली जगह

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान भाजपा ने आगामी संगठनात्मक चुनौतियों और चुनावी रणनीति को धार देने के लिए अपनी नई प्रदेश कार्यसमिति की घोषणा कर दी है। प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देश पर जारी इस सूची में सांगठनिक संतुलन और गुटबाजी को खत्म कर 'एकजुट भाजपा' का संदेश देने की पुरजोर कोशिश की गई है। प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी द्वारा जारी इस सूची में कुल 154 सदस्यों के नाम शामिल हैं, जिनमें 20 महिला नेताओं को प्रतिनिधित्व देकर आधी आबादी को साधने का प्रयास किया गया है। कार्यसमिति की सबसे महत्वपूर्ण श्रेणी 'स्थायी आमंत्रित सदस्यों' की है, जिसमें पार्टी के सभी बड़े चेहरों को एक साथ लाया गया है। इसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के साथ-साथ पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, अरुण चतुर्वेदी और डॉ. सतीश पूनिया को स्थान दिया गया है। वहीं, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ को भी स्थायी सदस्य बनाकर उनकी अहमियत को बरकरार रखा गया है।

संगठन ने केंद्र सरकार में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे मंत्रियों को भी कार्यसमिति में प्रमुखता दी है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, भूपेंद्र यादव, अर्जुनराम मेघवाल, भागीरथ चौधरी और रवनीत सिंह बिट्टू को स्थायी आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया गया है।

जिलों का प्रतिनिधित्व : प्रदेश के सभी संगठन जिलों से वरिष्ठ नेताओं को सदस्य बनाया गया है। कुल 90 सदस्यों की सूची में प्रत्येक जिले से 2 से 4 नेताओं को शामिल कर क्षेत्रीय संतुलन बैठाया गया है।

विशेष आमंत्रित सदस्य: 52 विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची में पूर्व सांसदों, विधायकों, पूर्व मंत्रियों और जमीनी स्तर पर सक्रिय वरिष्ठ नेताओं को जगह दी गई है।

महिला सशक्तिकरण: सूची में 20 महिलाओं को शामिल करना यह दर्शाता है कि भाजपा आगामी चुनावों में महिला वोट बैंक और नेतृत्व पर विशेष ध्यान दे रही है।

सियासी मायने : 'सबको साथ' लेकर चलने की रणनीति : राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस कार्यसमिति के जरिए भाजपा ने आंतरिक मतभेदों को दरकिनार कर 'कलेक्टिव लीडरशिप' का मॉडल पेश किया है।

सड़कों पर 'अंधा' करने वाली एलईडी लाइटों पर सरकार की 'सर्जिकल स्ट्राइक' | अब वाहन मालिकों के साथ दुकानदार और मैकेनिक भी आएंगे रडार पर

अवैध फिटिंग करने वाली दुकानों के लाइसेंस होंगे रद्द, एआई कैमरों से रात में कटेगा 'ग्लेयर चालान'

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान की सड़कों पर रात के समय मौत का कारण बन रही अवैध हाई-इंटेंसिटी एलईडी लाइटों के खिलाफ राज्य सरकार ने अब तक का सबसे बड़ा अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार ने विधानसभा में स्पष्ट किया है कि अब कार्रवाई केवल सड़कों पर वाहन चालकों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि उन 'स्रोतों' पर भी प्रहार किया जाएगा जहाँ ये अवैध लाइटें बेची और फिट की जा रही हैं। परिवहन विभाग ने प्रदेशभर में विशेष जांच अभियान छेड़ते हुए ऑटो एक्सेसरीज विक्रेताओं और मैकेनिकों को भी जवाबदेह बनाने के निर्देश दिए हैं।

विधानसभा में गूंजी 'खतरनाक चमक' की गूंज

यह मुद्दा हिण्डौन विधायक अनीता जाटव द्वारा उठाए गए एक सवाल के बाद चर्चा में आया। विधायक ने सदन का ध्यान उन हादसों की ओर आकर्षित किया जो सामने से आ रही तेज रोशनी के कारण होते हैं। सरकार ने स्वीकार किया कि इन लाइटों की अत्यधिक चमक चालक को कुछ सेकंड के लिए 'अंधा' कर देती है, जिससे जानलेवा सड़क हादसे हो रहे हैं।

मोटर वाहन अधिनियम के तहत मूल हेडलाइट्स में किसी भी प्रकार का अनधिकृत बदलाव पूर्णतः प्रतिबंधित है।

5,000 रु. तक का जुर्माना और वाहन जब्ती

मौजूदा नियमों के तहत, अवैध लाइटें लगाने वाले वाहन स्वामियों पर 1,000 रुपए से 5,000 रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान है। धारा 177 और 190(2) के तहत पुलिस और आरटीओ को निर्देश दिए गए हैं कि वे नाकेबंदी के दौरान ऐसी लाइटें पाए जाने पर उन्हें मौके पर ही उतरवाएं। वर्ष 2026 के नए नियमों के तहत, बार-बार उल्लंघन करने वालों के वाहन अब सीधे जब्त किए जाएंगे।

दुकानदार और मैकेनिक सावधान!

परिवहन विभाग ने अपनी रणनीति बदलते हुए अब 'सप्लाई और फिटिंग' पॉइंट को निशाने पर लिया है। परिवहन विभाग की टीमें अब ऑटो मार्केट में दुकानों की जांच करेंगी। यदि कोई दुकानदार या मैकेनिक नियमों के विरुद्ध हाई-बीम या फ्लैशिंग लाइट फिट करते पाया गया, तो उसकी दुकान का व्यावसायिक लाइसेंस रद्द किया जाएगा। साथ ही नियम तोड़ने वाले विक्रेताओं पर भारी आर्थिक दंड लगाने का प्रावधान भी तैयार किया जा रहा है।

एआई कैमरे पकड़ेंगे 'ग्लेयर'

वर्ष 2026 में लागू हुए 'स्मार्ट एन्फोर्समेंट' के तहत अब पुलिस की गैर-मौजूदगी में भी बचना मुश्किल होगा।

ग्लेयर डिटेक्शन

सड़कों पर लगे एआई-पावर्ड कैमरे अब रात के समय उन वाहनों की पहचान करेंगे जिनकी लाइटें निर्धारित लुमेन सीमा से अधिक हैं।

ऑटोमैटिक ई-चालान

इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए रात में भी सीधे वाहन मालिक के मोबाइल पर चालान पहुँच जाएगा।

नियम और कार्रवाई

विवरण	प्रावधान / कार्रवाई
जुर्माना राशि	1,000 रुपए से 5,000 रुपए तक
दुकानदारों पर कार्रवाई	लाइसेंस रद्दीकरण और भारी पेनल्टी
तकनीकी निगरानी	एआई-पावर्ड 'ग्लेयर डिटेक्शन' कैमरे
मुख्य लक्ष्य	अवैध हाई-बीम और फ्लैशिंग एलईडी लाइटें

समाचार पत्र 'द पब्लिक हब' के समस्त संपादकीय एवं प्रकाशकीय विषयों पर स्वायत अधिकार सहित प्रकाशक, स्वामी व संपादक: दीपक गोस्वामी,
ए-101 यूनिक टावर, प्रताप नगर, जयपुर-302017, मो. 9828528666 मुद्रक: अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., जयपुर info@thepublichub.in, digital@thepublichub.in,
*पीआरबी एक्ट के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेदार।